■ आषाढ़ शुक्ल - 10 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 335 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 05-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तक्षिन् पारत् राष्ट्रमत् | दिनसरी हिन्दी नाळितழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भारत की आंतरिक ताकत को कमजोर करके कांग्रेस ने चीन की मदद की : भाजपा

6 दलाई लामा के चयन पर चीन का साजिशपूर्ण हस्तक्षेप

7 पश्चिम में मेरा काम शुरुआती दौर में : प्रियंका चोपड़ा

फर्स्ट टेक

जयशंकर एससीओ की बैठक में भाग लेने के लिए चीन जाएंगे

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भाग लेने के लिए 13 जुलाई के आसपास चीन का दौरा करेंगे। उनकी यात्रा के कार्यक्रम से अवगत व्यक्तियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 2020 के सैन्य गतिरोध के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में गंभीर तनाव आने के बाद, जयशंकर की यह पहली चीन यात्रा होगी। बताया जा रहा है कि विदेश मंत्री 14 और 15 जुलाई को आयोजित होने वाले एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए तियानजिन जाने से पहले अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ वार्ता करने को लेकर बीजिंग की यात्रा करेंगे।

माइक्रोसॉफ्ट ने 25 साल बाद पाकिस्तान में अपना कार्यालय बंद किया

कराची/भाषा। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने कार्यबल में कटौती की अपनी वैश्विक रणनीति के तहत पाकिस्तान में अपने सीमित परिचालन को बंद करने की घोषणा की है। शुक्रवार को विभिन्न पक्षों ने इसे देश की अर्थव्यवस्था के लिए 'चिंताजनक संकेत' बताया। माइक्रोसॉफ्ट ने 25 साल बाद बृहस्पतिवार को पाकिस्तान में अपना कार्यालय बंद करते हुए वैश्विक पुनर्गठन और क्लाउड-आधारित, साझेदार-नेतृत्व वाले मॉडल में बदलाव का हवाला दिया। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब इस माइक्रोसॉफ्ट ने 2023 के बाद से अपने सबसे बड़े छंटनी दौर में दुनिया भर में लगभग 9,100 नौकरियों (कार्यबल का लगभग चार प्रतिशत) में कटौती की है।

दलाई लामा के संबंध में भारत का टिप्पणी करने से इंकार

नई दिल्ली/भाषा। तिब्बत के आध्यात्मिक नेता दलाई लामा के हाल के बयान के संदर्भ में भारत ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि वह आस्था और धर्म की मान्यताओं तथा प्रथाओं से संबंधित मामलों पर कोई रुख नहीं अपनाता है और न ही टिप्पणी करता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दलाई लामा के अपने उत्तराधिकारी से संबंधित बयान के बारे में मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, हमने दलाई लामा संस्था की निरंतरता के बारे में दलाई लामा द्वारा दिए गए बयान से संबंधित रिपोर्ट देखी हैं। भारत सरकार आस्था और धर्म की मान्यताओं तथा प्रथाओं से संबंधित मामलों पर कोई रुख नहीं अपनाती है और न ही बोलती है।

05-07-2025 सूर्यास्त	06-07-2025 सूर्योदय
6:39 बजे	5:47 बजे

BSE	NSE
83,432.89	25,461.00
(+193.42)	(+55.70)

सोना	चांदी
10,014 रु.	119,575 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जय दल पदधारी

जो खुद चुनाव ना लड़ सकते,
वे बने चयन के अधिकारी।
दागी दोषी हों भले मगर,
दल रहते उनके आभारी।
धनबल भुजबल या छलबल के,
होते जो अतुलित बलधारी।
दल जीते जिन षड़यंत्रों से
उन यंत्रों के वे व्यापारी।।

मानवता का दुश्मन है आतंकवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े होने के लिए कैरेबियाई देश की जनता और सरकार को धन्यवाद दिया।

पोर्ट ऑफ स्पेन/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आतंकवाद को मानवता का दुश्मन बताते हुए शुक्रवार को कहा कि वैश्विक समुदाय को इसे पनाह या कोई भी जगह नहीं देने के लिए एकजुट होना चाहिए।

त्रिनिदाद एवं टोबैगो संसद की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी घोषणा की कि यह कैरेबियाई देश भारत के लिए प्राथमिकता वाला देश होगा। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। इस 'रेड हाउस' ने खुद आतंकवाद के घाव और मासूम लोगों का खून बहते देखा है। हमें आतंकवाद को कोई भी पनाह या जगह न देने के लिए एकजुट होना चाहिए।'' प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े होने के लिए कैरेबियाई देश की जनता और सरकार को धन्यवाद दिया। मोदी ने कहा कि नई चुनौतियां हैं और पुरानी संस्थाएं शांति और प्रगति लाने के लिए संघर्ष कर रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''इसी समय, 'ग्लोबल साउथ' उभर रहा है। वे एक नई और अधिक न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था देखना चाहते हैं।'' मोदी ने कहा कि वह इस प्रतिष्ठित रेड हाउस (त्रिनिदाद और टोबैगो की संसद) में लोगों को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बनकर गौरवान्वित हैं। उन्होंने कहा,'' मित्रों!, जब मैं अध्यक्ष की कुर्सी पर लिखे सुनहरे शब्दों 'भारत के लोगों की ओर से त्रिनिदाद और टोबैगो के लोगों के लिए' को देखता हूं, तो मुझे यह गहरा भावनात्मक नाता महसूस होता है कि यह कुर्सी महज एक फर्नीचर का टुकड़ा नहीं है, बल्कि हमारे दोनों देशों के बीच मित्रता का एक शक्तिशाली प्रतीक है।

त्रिनिदाद और टोबैगो की संसद में अध्यक्ष की कुर्सी 1968 में भारत द्वारा उपहार में दी गई थी। इस अलंकृत कुर्सी पर लिखा हुआ है - भारत के लोगों की ओर से त्रिनिदाद और टोबैगो के लोगों के लिए।

प्रधानमंत्री मोदी को त्रिनिदाद एवं टोबैगो के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा गया

पोर्ट ऑफ स्पेन/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शुक्रवार को त्रिनिदाद एवं टोबैगो के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो' से नवाजा गया। इसके साथ ही मोदी कैरेबियाई देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान पाने वाले पहले विदेशी नेता बन गए। यह किसी देश द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को प्रदान किया गया 25वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में राष्ट्रपति क्रिस्टीन कार्ला कंगालू ने प्रधानमंत्री मोदी को उनके नेतृत्व कौशल, 'ग्लोबल साउथ' की प्राथमिकताओं का समर्थन करने तथा दोनों देशों के बीच संबंधों को प्रगाढ़ बनाने में उनके असाधारण योगदान के लिए त्रिनिदाद एवं टोबैगो के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा। कैरेबियाई राष्ट्र की दो दिवसीय यात्रा पर आए मोदी ने सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान से नवाजे जाने पर यहां की सरकार और लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

चीन ने भारत-पाक संघर्ष को 'प्रयोगशाला' की तरह इस्तेमाल किया : उप सेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ चीन अपने उपग्रहों का उपयोग भारतीय सैन्य तैनाती की निगरानी के लिए कर रहा था

■ पाकिस्तानी सेना को डीजीएमओ (सैन्य अभियान महानिदेशक) स्तर की फोन वार्ता के दौरान इसके बारे में सीधी जानकारी मिल रही थी।

नई दिल्ली/भाषा। चीन ने मई में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए चार दिवसीय सशस्त्र संघर्ष को विभिन्न हथियार प्रणालियों के परीक्षण के लिए एक प्रयोगशाला की तरह इस्तेमाल किया और दूसरे के कंधे पर बंदूक रखकर दुश्मन को मारने की प्राचीन सैन्य रणनीति के अनुरूप, इस्लामाबाद को हरसंभव सहायता प्रदान की। उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह ने शुक्रवार को यह बात कही।

वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान जहां सिर्फ सामने नजर आ रहा था, वहीं चीन पर्दे के पीछे से अपने सदाबहार मित्र को हरसंभव सहायता दे रहा था, और तुर्किये भी इस्लामाबाद को सैन्य साजोसामान की आपूर्ति करके प्रमुख भूमिका निभा रहा था। उन्होंने कहा कि सात से 10 मई के बीच हुए संघर्ष के दौरान भारत वास्तव में कम से कम तीन शत्रुओं से निपट रहा था।

उद्योग चैंबर 'फिक्की' द्वारा आयोजित नए दौर की सैन्य प्रौद्योगिकी पर एक संगोष्ठी में अपने संबोधन में लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने सुझाव दिया कि चीन अपने उपग्रहों का उपयोग भारतीय सैन्य तैनाती की निगरानी के लिए कर रहा था, क्योंकि पाकिस्तानी सेना को डीजीएमओ (सैन्य अभियान महानिदेशक) स्तर की फोन वार्ता के दौरान इसके बारे में सीधी जानकारी मिल रही थी।

लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने चीन की 36 चालों की प्राचीन सैन्य रणनीति और दूसरे के कंधे पर बंदूक रखकर दुश्मन को मारने की रणनीति का उल्लेख करते हुए इस बात पर जोर दिया कि बीजिंग ने भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए पाकिस्तान को हरसंभव समर्थन दिया।

सरकार ने नागरिकों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाया है : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को पुणे में कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश के नागरिकों के स्वास्थ्य में सुधार के लिए एक सुविचारित समग्र दृष्टिकोण अपनाया है।

पूना अस्पताल एवं अनुसंधान केन्द्र (पीएचआरसी) 'हेल्थ सिटी' परियोजना का भूमिपूजन करने के बाद शाह ने कहा कि स्वास्थ्य से जुड़े हर कार्यक्रम, विशेषकर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया गया है।

उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने देश के नागरिकों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए तमाम इंतजाम किए हैं।

उन्होंने कहा, ''पिछली सरकार में स्वास्थ्य बजट 37,000 करोड़ रुपये था और 2025-26 में मोदी जी ने इसे बढ़ाकर 1.37 लाख करोड़ रुपये कर दिया।''

शाह ने पुणे में श्री पूना गुजराती बंधु समाज द्वारा निर्मित जयराज स्पोर्ट्स एंड कन्वेंशन सेंटर का भी उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि देश तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है और 2047 में विकसित भारत के निर्माण की नींव रखी जा रही है। उन्होंने कहा, पुणे ने ज्ञान, राष्ट्रवाद, सामाजिक चेतना और स्वतंत्रता संग्राम में पूरे देश का नेतृत्व किया है।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथ्वी को देखना रोमांचक है : शुभांशु शुक्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद साथी अंतरिक्ष यात्रियों ने 'आम रस', 'गाजर का हलवा', 'मूंग दाल का हलवा' और अन्य देशों के व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत 26 जून को आईएसएस पर पहुंचे थे। उन्होंने अंतरिक्ष स्टेशन पर एक सप्ताह पूरा कर लिया और एक दिन का अवकाश लिया, जिसे उन्होंने धरती पर अपने परिवार और दोस्तों के साथ बातचीत कर बिताया।

एक्सिओम-4 (एक्स-4) चालक दल में शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। उन्होंने 3 जुलाई तक पृथ्वी की 113 परिक्रमाएं कीं, जिसके तहत 40.66 लाख किलोमीटर से अधिक की दूरी तय की गई। यह पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का लगभग 12 गुना है।

शुक्ला ने 'एचएएम' रेडियो कनेक्शन पर बेंगलूरु स्थित यूआरएससी (यू आर राव उपग्रह केंद्र) के वैज्ञानिकों के साथ संक्षिप्त बातचीत में कहा, ''यह एक अच्छा क्षण था। हमें विभिन्न देशों से भोजन मिला और हमने इसे सभी सदस्यों के साथ साझा किया।''

बृहस्पतिवार को शुक्ला अंतरिक्ष में सबसे लंबे समय तक रहने वाले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बन गए। उन्होंने राकेश शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 1984 में सोवियत इंटरकॉस्मोस कार्यक्रम के तहत अंतरिक्ष में सात दिन, 21 घंटे और 40 मिनट बिताए थे। बृहस्पतिवार तक शुक्ला ने अंतरिक्ष में नौ दिन बिताए हैं।

उन्होंने कहा कि मिशन का सबसे रोमांचक हिस्सा अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथ्वी को देखना था।

श्री ब्यावर संघ, बैंगलोर
श्री ब्यावर संघ युवा शाखा, बैंगलोर
द्वारा आयोजित

मुख्य प्रायोजक
VAIBHAV GROUP
benevolent living

BENGALURU EXPO & TRADE SHOW 2025
5th & 6th July 2025

मुख्य अतिथि : श्री पंकजजी बालर
मुख्य स्पॉंसर
MD, वैभव ग्रुप

एक्सपो शुभारम्भ शनिवार, 5.07.2025 प्रात : 10.15

मुख्य अतिथि
श्री तेजस्वी सूर्या, सांसद - बेंगलुरु दक्षिण
श्री उदय बी गरुडाचार, विधायक - चिकपेट

उद्घाटन समारोह अतिथिगण
श्री तनसुखराजजी गुलेच्छा, सह स्पॉंसर, MD, कुशल्स फैशन ज्वैलरी
श्री गणपतराजजी छाजेड़, सह स्पॉंसर, MD, पैसोलाईट, इले. क.
श्री बाबूलालजी गांधी, सह स्पॉंसर, MD, मास्कॉट फैब्रिक्स
श्री रतनजी श्रीश्रीमाल, गिफ्ट स्पॉंसर, MD, मयन डायमंड्स

प्रायोजक: Kushal's fashion jewellery
प्रायोजक: PASOLITE
प्रायोजक: MASCOT FABRICS WHOLESALE CLOTH MERCHANTS
भेंट प्रायोजक: MAYAN DIAMONDS

श्री गौतमचंदजी सोलंकी, अध्यक्ष, श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ, चिकपेट
श्री पारसमलजी भन्साली, अध्यक्ष, गांधीनगर श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा
श्री तेजराजजी मालानी, अध्यक्ष, श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी
श्री रंजीतजी सोलंकी, चेयरमैन, जीतो साऊथ
श्री प्रकाशचंदजी बुरड़, कर्नाटक प्रान्तीय अध्यक्ष, AISS जैन कॉन्फ्रेंस
श्री विमलजी कटारिया, चेयरमैन, जीतो नॉर्थ
श्री प्रकाशचंदजी लोढ़ा, कर्नाटक आंचलीय प्रभारी, श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महासभा
श्री मुकेशकुमारजी सुराणा, अध्यक्ष, जैन युवा संगठन

शनिवार उद्घाटन सत्र में प्रातः 10.30 बजे प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा भरतनाट्यम की प्रस्तुति
एक्सपो में डिज्नी वर्ल्ड के मिकी माऊस द्वारा बच्चों का मनोरंजन
रविवार शाम 4.00 बजे से नृत्य संगीत स्टेज शो
एंकरिंग बिन्दु मेहता द्वारा

LUCKY DRAW
प्रति दो घंटों में लकी ड्रा गोल्ड डायमंड्स गिफ्ट्स
प्रतिदिन स्पेशल गोल्ड डायमंड्स लकी ड्रा

शनिवार एवं रविवार
दोपहर 2.00 बजे एवं शाम 6.00 बजे
मैजिक शो एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम
अन्तर्राष्ट्रीय जादूगर श्री उदय कुमार द्वारा

स्थल : महावीर धर्मशाला, V V Puram, Bengaluru - 04

पदमचंद बोहरा - अध्यक्ष, श्री ब्यावर संघ, बैंगलोर | अरविन्द कोठारी, महामंत्री, श्री ब्यावर संघ, बैंगलोर

आयोजन समिति: ललित डाकलिया (अध्यक्ष) | विकास खटोड़ (उपाध्यक्ष) | कुलदीप छाजेड़ (महा मंत्री) | नमित कोठारी (कोषाध्यक्ष) | नरेश बोहरा (सह मंत्री) | भरत कोठारी (सह कोषाध्यक्ष)

बिज़नेस समिति • प्रतीक गादिया • अरिहंत छाजेड़ • सुनील भंडारी • कुणाल मरलेचा

कार्यकारिणी समिति : मनीष बाफना । अल्केश हिंगड़ । लक्की बोहरा । हेमंत गुलेच्छा । विकास पारख । वर्धमान श्रीश्रीमाल । विनोद बाफना । यशवंत रांका । अंजन मेहता रोशन लोढ़ा । नितेश बोहरा । चेतन रेदासनी । सुशील बाफना । आशीष भंसाली । अमित डांगी । अमित कोठारी । अमित बोहरा । दिलीप हिंगड़ । दिनेश खींचा । जितेन्द्र खिवेंसरा । महावीर गुगलिया । मनीष मेड़तवाल । प्रवीण कक्कड़ । तरुण बोथरा । रोहित बोहरा

लेडीज विंग चन्द्रकला डाकलिया । जिया हिंगड़ । कंचन छाजेड़ । मोनिका कुमट । संगीता पारख । सीमा बोहरा

नक्सलवाद अब सिर्फ पांच-छह जिलों तक सीमित: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि नक्सलवाद अब देश के सिर्फ पांच-छह जिलों तक सीमित रह गया है और इन स्थानों पर भी यह लंबे समय तक जारी नहीं रहेगा।

स्वतंत्रता सेनानी अल्लूरी सीताराम राजू की 128वीं जयंती के अवसर पर सिंह ने कहा कि नक्सली केंद्र अब शिक्षा के केंद्र में तब्दील हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि लाल गलियारे के नाम से मशहूर इलाका अब तेजी से विकास के गलियारे में तब्दील हो रहा है।

सरकार ने निर्णय लिया है कि अगले वर्ष 31 मार्च तक पूरे देश को नक्सल मुक्त किया जाएगा।

सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तान में केवल आतंकी ढांचों को निशाना बनाया गया, किसी नागरिक या सैन्य प्रतिष्ठान को नुकसान नहीं पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में पहलगाम आतंकवादी हमले जैसी कोई घटना हुई तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

रक्षा मंत्री ने अल्लूरी सीताराम राजू को एक महान योद्धा बताया और राष्ट्र के प्रति उनकी सेवाओं की सराहना की।

टाटा पावर नवीकरणीय ऊर्जा बाजार में ताकत बनने की ओर अग्रसर: चंद्रशेखरन

नई दिल्ली/भाषा। टाटा पावर के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने शुक्रवार को कहा कि कंपनी शुद्ध सौर और पवन ऊर्जा से 'हाइब्रिड' नवीकरणीय ऊर्जा बाजार में एक ताकत बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कंपनी की 106वीं वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि टाटा पावर भविष्य में परमाणु ऊर्जा विकास में भी भाग लेने के लिए तैयार है। कंपनी की भविष्य की योजनाओं को साझा करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा, ''टाटा पावर शुद्ध सौर और पवन ऊर्जा कंपनी से हाइब्रिड यानी मिश्रित (एक साथ सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाएं) नवीकरणीय ऊर्जा बाजार में एक ताकत बनने की ओर अग्रसर है।'' उन्होंने कहा कि टाटा पावर शुद्ध रूप से शून्य कर्बन उत्सर्जन की यात्रा में मददगार है और उद्योगों तथा उपभोक्ताओं को 24 घंटे टिकाऊ बिजली दे रहा है।

चेयरमैन ने कहा कि कंपनी परमाणु क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने की स्थिति में तैयार है। उन्होंने दिग्गज उद्योगपति और टाटा समूह के मानद चेयरमैन रहे रतन टाटा को भी याद किया, जिनका पिछले साल अक्टूबर में निधन हो गया था। उन्होंने पिछले महीने एयर इंडिया विमान दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख जताया।

मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे आएं और कश्मीर देखें: घाटी में शिवराज चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को लोगों से अपील की कि वे जम्मू कश्मीर की यात्रा करें। यह क्षेत्र हाल ही में कई आतंकवादी घटनाओं से प्रभावित रहा है।

चौहान ने कहा, मैं जनता से कहना चाहता हूं कि यहां के लोग प्यार और गर्मजोशी से आपका स्वागत करने का इंतजार कर रहे हैं। इसलिए बिना किसी डर के यहां आएं और प्यार और भाईचारे की नई मिसाल कायम करें। कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी) के छठे दीक्षांत समारोह के अवसर पर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। उन्होंने यह अपील 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले की पृष्ठभूमि में पर्यटन में आई गिरावट के बाद की है, जिसमें 25 पर्यटकों और एक स्थानीय टट्टू संचालक को आतंकवादियों ने गोली मार दी थी। उन्होंने कहा, मैं कल से श्रीनगर में हूं और लगातार लोगों के बीच रहा हूं। हवा की शांति, मिट्टी की खुशबू, प्राकृतिक सुंदरता और लोगों के प्यार ने मेरा दिल जीत लिया है। यह वाकई भारत का मुकुट मणि और धरती का स्वर्ग है। उन्होंने कहा, मैंने डल झील का भी दौरा किया और वहां शिकारे की सवारी की। एक भावनात्मक घटना जिसने मेरे दिल को छू लिया, वह थी जब एक शिकारे वाले ने मुझसे कहा, 'मामा, लोगों से यहां आने के लिए कहें। हमारे दिल उनके लिए प्यार से भरे हुए हैं'। चौहान ने कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ बैठक की और उनके साथ कृषि एवं ग्रामीण विकास पहल पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर को बागवानी का केंद्र बनाने के लिए प्रयासरत है और इसी उद्देश्य से उसने सेब, बादाम और अखरोट के लिए 150 करोड़ रुपए की लागत से पौधा केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले, रोगमुक्त पौधों की जरूरत है और यह केंद्र उन्हें यह मुहैया कराएगा। निजी नर्सरी स्थापित करने वालों को भी सब्सिडी दी जाएगी। इसके अलावा केसर के लिए टिशू कल्चर लैब भी स्थापित की जाएगी। 'टिशू कल्चर लैब' एक ऐसी सुविधा है जहां पौधों के ऊतकों को नियंत्रित वातावरण में उगाया जाता है। यह एक ऐसी तकनीक है जो जैविक अनुसंधान, पौधों के प्रसार और रोग-मुक्त नमूनों के उत्पादन में मदद करती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पांच लाख लोगों का सर्वेक्षण किया गया है और सत्यापन के बाद उन्हें मकान दिये जायेंगे।

इससे पहले छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हम राज्य विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में पांचवें स्थान पर हैं और मेरा विश्वास है कि हम जल्द ही पहले स्थान पर पहुंच जाएंगे। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह कश्मीरी सेब को दुनिया के हर कोने तक पहुंचते देखना चाहते हैं।

मराठी को लेकर हिंसा का सहारा लेना अस्वीकार्य, आप इस बारे में हठी नहीं हो सकते: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में लोगों से मराठी बोलने की अपेक्षा करना गलत नहीं है, लेकिन इसके लिए हिंसा का सहारा लेना अस्वीकार्य है और इस बारे में कोई भी ''हठी'' नहीं हो सकता। उन्होंने इस मुद्दे पर कानून को अपने हाथ में लेने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी।

मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी हाल में हुई एक घटना के जवाब में आई है, जिसमें महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने ठाणे जिले के भयंदर में एक 'फूड स्टॉल' मालिक पर मराठी न बोलने के कारण हमला किया था। इसके अलावा, मुंबई में एक व्यवसायी ने बयान जारी कर कहा था कि वह कई वर्षों से शहर में रहने के बावजूद मराठी नहीं बोलेगा।

फडणवीस ने यहां विधानभवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''आप महाराष्ट्र में लोगों से मराठी बोलने के लिए कह सकते हैं, लेकिन आप मराठी को लेकर हठी नहीं हो सकते।'' उन्होंने कहा, ''मराठी लोगों में अन्य भाषाओं के प्रति इतनी नफरत नहीं हो सकती।''

भाषाई श्रेष्ठता के प्रति आगाह करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं भी मराठी हूं। अन्य राज्यों में भी मराठी लोग काम कर रहे हैं। अगर वहां भी उनके साथ ऐसा ही व्यवहार होता है तो यह उचित नहीं होगा। जो कोई भी कानून अपने हाथ में लेगा, उसे कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।'' उन्होंने भाषाओं को लेकर चुनिंदा तरीके से आक्रोश व्यक्त किये जाने की आलोचना की और कहा, ''मुझे कभी-कभी आश्चर्य होता है कि ये लोग अंग्रेजी को कैसे अपना लेते हैं, लेकिन हिंदी को लेकर विवाद पैदा करते हैं। यह किस तरह की सोच है?''

भाषा के रचनात्मक प्रचार-प्रसार का आह्वान करते हुए फडणवीस ने कहा, ''यदि आपको मराठी पर सचमुच गर्व है, तो मराठी बोलें। दूसरों को मराठी बोलने के लिए प्रोत्साहित करें। मराठी पढ़ाने के लिए कक्षाएं शुरू करें। आप अपने बच्चों को उन स्कूलों में क्यों भेजते हैं, जहां मराठी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाता है? उन्हें मराठी माध्यम वाले स्कूलों में भेजें।''

उनके अनुसार, पुलिस ने मनसे के उन कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की है, जिन्होंने ठाणे में उस व्यापारी के साथ मारपीट की थी, जो मराठी में बात नहीं कर सकता था।

समयसीमा के आधार पर व्यापार समझौता नहीं, राष्ट्र हित सबसे ऊपर : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत समयसीमा के आधार पर कोई व्यापार समझौता नहीं करता है और अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को तभी स्वीकार करेगा जब यह पूरी तरह अंतिम रूप ले लेगा, ठीक से संपन्न होगा और राष्ट्रहित में होगा।

गोयल ने संवाददाताओं से यह भी कहा कि भारत यूरोपीय संघ, न्यूजीलैंड, ओमान, अमेरिका, चिली और पेरू सहित विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों

(एफटीए) पर बातचीत कर रहा है। उन्होंने अमेरिका के साथ प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते के बारे में पूछे जाने पर कहा कि यह एफटीए तभी संभव है जब यह दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद हो। गोयल ने कहा, राष्ट्रीय हित हमेशा सबसे ऊपर होना चाहिए। इसे ध्यान में रखते हुए यदि कोई समझौता होता है तो भारत विकसित देशों के साथ करार करने के लिए हमेशा तैयार है। अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौता नौ जुलाई तक हो पाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने कहा, भारत कभी भी समयसीमा या निर्धारित समय के आधार पर कोई व्यापार समझौता नहीं करता है। जब समझौता अच्छी तरह हो जाएगा, पूरी तरह से अंतिम रूप ले लेगा और देश के हित में होगा, तभी हम इसे स्वीकार करेंगे। उन्होंने कहा कि फिलहाल व्यापार वार्ता के लिए वाशिंगटन जाने की कोई योजना नहीं है।

पहलगाम हमले के बाद क्या पाकिस्तान के साथ मैच खेलना सही है: आदित्य ठाकरे

मुंबई/भाषा। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने सुरक्षा मुद्दे पर सरकार की आलोचना करते हुए शुक्रवार को सवाल उठाया कि क्या पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर आगामी एशिया कप टूर्नामेंट में भारत का पाकिस्तान के साथ क्रिकेट और हॉकी मैच खेलना उचित है। यहां राज्य विधान भवन परिसर में पत्रकारों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित कई प्रश्न अब भी अनुत्तरित हैं।

ठाकरे ने कहा, ''क्या पाकिस्तान के साथ मैच खेलना सही है, जब वह देश हमारे खिलाफ आतंकवाद को प्रायोजित कर रहा है? क्या भारतीय टीम को एशिया कप क्रिकेट और हॉकी टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ खेलना चाहिए? हम भाजपा और केंद्र सरकार से स्पष्ट जवाब चाहते हैं।''

शिवसेना (उबाठा) के विधायक के अनुसार, ऐसा लगता है कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार अगस्त के आखिरी सप्ताह से शुरू होने वाले एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के जरिये माहौल का परीक्षण करना चाहती है। भारत मेजबान देश है और मैच बिहार में खेले जाएंगे। यह एशिया कप के दौरान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में संभावित क्रिकेट मैच के लिए मंच तैयार कर रही है।

मुख्यमंत्री ने 94,234 विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि हस्तांतरित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले प्रदेश के 94,234 विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए शुक्रवार को 25-25 हजार रुपए उनके खातों में हस्तांतरित किये और कहा कि अगले साल से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने यहां के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत इन मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 235 करोड़ रुपए से अधिक की राशि अंतरित की। उन्होंने मंच से 15 मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप भी वितरित किए। इस अवसर पर यादव ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा मनुष्य के समग्र विकास की धुरी है और 'सबको शिक्षा' ही राज्य सरकार का विकास मंत्र है। उन्होंने कहा, ''हमारी सरकार ने प्रदेश के हर बच्चे तक शिक्षा का प्रकाश पहुंचाने के हरसंभव प्रयास किए हैं। केवल पढ़ाई ही नहीं, बल्कि प्रतिभावान विद्यार्थियों को नई तकनीक और नई शिक्षा पद्धति से जोड़कर उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव भी रखी जा रही है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप देकर सरकार प्रदेश का एक बेहतर और स्वर्णिम भविष्य गढ़ने जा रही है। यादव ने इस अवसर पर अगले साल से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि के स्थान पर 25 हजार रुपए मूल्य के और अधिक गुणवत्ता वाले अपडेटेड लैपटॉप देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं को सम्मान देना और स्वर्णिम भविष्य की संभावनाओं को पोषित करना तथा हर संभव सहायता करना प्रदेश सरकार का दायित्व है।

नेशनल हेराल्ड: सोनिया गांधी ने अदालत में ईडी के मामले को बहुत ही अजीब बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने शुक्रवार को कहा कि ईडी का मामला ''वास्तव में एक अजीब'' मामला है। ईडी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू द्वारा तीन जुलाई को मामले में दायर आरोपपत्र के संज्ञान के बिंदु पर अपनी दलीलें पूरी किए जाने के बाद सिंघवी ने यह बात कही।

सिंघवी ने कहा, ''यह वास्तव में एक अजीब मामला है। अजीब से भी अधिक। अभूतपूर्व। यह बिना किसी संपत्ति, बिना किसी उपयोग या संपत्ति प्रयोजन के, धनशोधन का एक कथित मामला है।'' ईडी ने सोनिया और राहुल गांधी, दिवंगत कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीस के अलावा सुमन दुबे, सैम पित्रोदा और निजी कंपनी यंग इंडियन पर नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करने वाली

एसोसिएटेड जर्नल्स लि. (एजेएल) की 2,000 करोड़ रु. से अधिक मूल्य की संपत्तियों के धोखाधड़ी से अधिग्रहण को लेकर साजिश और धनशोधन का आरोप लगाया है। ईडी का आरोप है कि गांधी परिवार के पास यंग इंडियन के 76% शेयर थे, जिसने 90 करोड़ रुपए के ऋण के बदले में धोखाधड़ी से एजेएल की संपत्ति हड़प ली। हालांकि, सिंघवी ने कहा कि यह कवायद एजेएल को कर्ज मुक्त बनाने के लिए की गई थी। सिंघवी ने कहा, ''हर कंपनी को कानून के तहत यह अधिकार प्राप्त है और वह हर दिन विभिन्न प्रकार के साधनों के माध्यम से अपनी कंपनी को मुक्त करती है। इसलिए आप कर्ज लेकर उसे किसी अन्य इकाई को सौंप देते हैं। इस प्रकार यह कंपनी कर्ज मुक्त हो जाती है।''

किशन रेड्डी ने तांबे की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए दृष्टिपत्र जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शुक्रवार को 'तांबा दृष्टिपत्र' जारी किया जो धातु के लिए बढ़ती घरेलू मांग को पूरा करने के लिए एक दीर्घकालिक रणनीति प्रदान करता है।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, यह दस्तावेज वर्ष 2047 तक तांबे की मांग में 6 गुना वृद्धि का अनुमान लगाता है और वर्ष 2030 तक 50 लाख टन प्रति वर्ष स्मेल्टिंग एवं रिफाइनिंग क्षमता को जोड़ने की योजना को रेखांकित करता है। यह दृष्टिपत्र द्वितीयक शोधन में तेजी लाने, घरेलू पुनर्चक्रण को बढ़ाने और वैश्विक साझेदारी के माध्यम से विदेशी खनिज परिसंपत्तियों को सुरक्षित करके खुले-बाजार आयात पर निर्भरता को कम करने पर केंद्रित है। केंद्रीय मंत्री ने संबोधन में भारत के ऊर्जा बदलाव बुनियादी संरचना के विकास तथा इलेक्ट्रिक वाहनों और सौर ऊर्जा जैसी हरित प्रौद्योगिकियों में तांबे के महत्वपूर्ण योगदान पर जोर दिया।

नेता प्रतिपक्ष ठाकुर राजनीतिक फायदे के लिए 'झूठ' बोल रहे : सुक्खू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर के इस दावे का खंडन किया कि मुख्यमंत्री ने बाढ़ और भूस्खलन के मुद्दे पर उनके फोन कॉल का जवाब नहीं दिया।

सुक्खू ने कहा, ''मैंने और उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने जयराम ठाकुर, अभियांत्रिकी प्रमुख और मंडी के उपायुक्त से बात की है। प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए उनके विधानसभा क्षेत्र में हेलीकॉप्टर को सेवा में लगाया गया है।'' जयराम ठाकुर ने बृहस्पतिवार को मंडी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उनका निर्वाचन क्षेत्र सिराज हालिया बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है, जहां 500 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वह सुबह से ही मुख्यमंत्री से संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। सुक्खू ने ठाकुर के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए शुक्रवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने बृहस्पतिवार को नेता प्रतिपक्ष से बात की थी और वह कॉल रिकार्ड दिखा सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''नेता प्रतिपक्ष राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए झूठ बोल रहे हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''आपदा का समय सेवा करने का है, राजनीतिक लाभ लेने का नहीं। मेरा ध्यान लोगों की मदद करने पर है। विपक्ष के नेता को मंडी में संवाददाता सम्मेलन संबोधित करने के बजाय सिराज के लोगों की सेवा करनी चाहिए थी।'' तलाश, बचाव और पुनर्वास का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। सुक्खू ने कहा, ''मैंने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है और दोबारा भी प्रभावित लोगों से मिलूंगा।'' मंडी जिले में मंगलवार को बादल फटने, बाढ, भूस्खलन की 10 घटनाओं में मारे गए अब तक 14 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं जबकि अधिकारी 31 लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं।

चीन से चुनौतियों पर आम सहमति बनाने के लिए संसद में चर्चा के लिए तैयार हो सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार को संसद में भारत-चीन संबंधों पर चर्चा के लिए सहमति जतानी चााहिए ताकि पड़ोसी देश द्वारा सीधे व पाकिस्तान के माध्यम से भारत को दी जाने वाली भू-राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों पर सामूहिक प्रतिक्रिया के लिए आम सहमति बनाई जा सके।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश

ने कहा कि सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने सार्वजनिक रूप से इस बात की पुष्टि की है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्तक्षेप पर 'ऑपरेशन सिंदूर' को अचानक रोक दिए जाने के बाद से क्या चर्चा हो रही है। रमेश ने पोस्ट किया, ''सिंह ने कुछ विवरण का खुलासा किया है कि चीन ने पाक वायु सेना की मदद की थी। यह वही चीन है जिसने 5 साल पहले लद्दाख में यथास्थिति को पूरी तरह खत्म कर दिया था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने 19 जून, 2020 को सार्वजनिक रूप से उसे क्लीन चिट दे दी थी।''

केसीआर को नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया: रामा राव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव को नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी सेहत को लेकर कोई गंभीर चिंता वाली बात नहीं है। उनके बेटे और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

राव ने बताया कि चिकित्सकों ने पूर्व मुख्यमंत्री को उनके रक्त शर्करा और शरीर में सोडियम की कमी की निगरानी के लिए कुछ दिनों तक अस्पताल में रहने की सलाह दी है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कोई गंभीर स्वास्थ्य समस्या नहीं है। उनकी सभी जरूरी जांच सामान्य हैं। मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं जो उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछ रहे हैं।'' केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और बंदी संजय कुमार तथा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी समेत अन्य नेताओं ने राव के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। केसीआर (71) को उच्च रक्त शर्करा और शरीर में सोडियम की कमी के बाद बृहस्पतिवार को यहां एक निजी 'सुपर-स्पेशियलिटी' अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यशोदा अस्पताल ने बृहस्पतिवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि बीआरएस प्रमुख को सामान्य रूप से कमजोरी की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी गई थी और उनकी हालत स्थिर है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बृहस्पतिवार को केसीआर की खैरियत पूछी, उन्हें दिए जा रहे उपचार की जानकारी ली तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

हममें ईश्वर न देखें, न्याय में ईश्वर को देखें: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को एक वकील के बयान पर कहा कि ''हममें ईश्वर न देखें, न्याय में ईश्वर को देखें''।

वकील ने कहा था कि वह न्यायाधीशों में भगवान देखते हैं।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन ने उत्तर प्रदेश के एक मंदिर से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की।

इस प्रकरण में उपस्थित एक वकील ने मामले से मुक्त करने का आग्रह करते हुए कहा कि उनका मुवक्किल उनकी बात नहीं सुन रहा है।

अदालत ने जैकलीन की 'पक्षपातपूर्ण कार्रवाई' संबंधी दलील खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज की इस दलील को खारिज कर दिया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन मामले में उनके खिलाफ 'पक्षपातपूर्ण कार्रवाई' की और समान स्थिति वाले अन्य कलाकारों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया।

जैकलीन का इशारा टेलीविजन सेलेब्रिटी निक्की तंबोली, चाहत खन्ना और सोफिया सिंह की ओर था। न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने जैकलीन की उस याचिका को बृहस्पतिवार को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ रुपए के धन शोधन मामले में अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया था। जैक्लीन ने दलील दी थी कि जांच एजेंसी ने चंद्रशेखर से कीमती उपहार हासिल करने वाले अन्य कलाकारों के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कोई कार्रवाई नहीं की। आदेश में

धन शोधन मामला

इस बात को रेखांकित किया गया कि जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान समानता के पहलु पर विचार किया गया। हालांकि, इसमें कहा गया कि यह दलील प्राथमिकी को रद्द करने के दौरान लागू नहीं की जा सकती, क्योंकि इससे आरोपी याचिकाकर्ता के खिलाफ ईसीआईआर (प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट) पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी। अदालत के 95 पन्नों के आदेश में कहा गया है, ''जांच एजेंसी ने पक्षपातपूर्ण कार्रवाई की या मामले के गुण-दोष के आधार पर अन्य के खिलाफ कार्रवाई न करने का फैसला लिया, यह मुद्दा इस अदालत के समक्ष विचाराधीन नहीं है; याचिकाकर्ता उचित स्तर पर इस मुद्दे को उठाने के लिए हमेशा से स्वतंत्र है।'' आदेश के मुताबिक, ''याचिकाकर्ता की आठ अगस्त 2021 की ईसीआईआर और 17 अगस्त 2022 की दूसरी पूरक शिकायत को रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका एवं दलीलों पर विचार नहीं किया जा सकता। इसलिए याचिका खारिज की जाती है।'' जैकलीन ने याचिका में दावा किया था कि अन्य कलाकारों ने तिहाड़ जेल में बंद चंद्रशेखर से मुलाकात की थी और उनसे उपहार भी हासिल किए थे। उन्होंने कहा था कि अभिनेत्री नोरा फातेही के एक रिश्तेदार को चंद्रशेखर से एक लग्जरी कार मिली थी।

विजय होंगे मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार : टीवीके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने शुक्रवार को ऐलान किया कि तमिलनाडु में 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए उसकी तरफ से पार्टी के संस्थापक एवं प्रमुख विजय मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। इस संबंध में पार्टी की कार्यकारी समिति की बैठक में एक विशेष प्रस्ताव पारित किया गया। साथ ही, पार्टी ने अगले माह बड़े पैमाने पर एक राज्य सम्मेलन आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। पार्टी ने विचारधारा का प्रसार करने के लिए गांवों में जनसभाएं आयोजित करने का फैसला किया है। इस मौके पर विजय ने कहा कि उनकी पार्टी कभी सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन नहीं करेगी।

उन्होंने कहा, भाजपा ओछी राजनीतिक लाभ के लिए लोगों को धार्मिक आधार पर बांटना चाहती है। हमारे नीति के विरोधियों और विभाजनकारी ताकतों के साथ कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष गठबंधन नहीं होगा। मैं दृढ़ता से कहता हूं कि हमारा द्रमुक या भाजपा के साथ कोई गठजोड़ नहीं होगा। साथ ही, उन्होंने चेन्नई के लिए परंदुर में एक ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे स्थापित करने के प्रस्ताव पर द्रमुक सरकार की आलोचना की और कहा कि इस कदम से कई हजार परिवार बेघर हो जाएंगे और आसपास में कृषि पर भी बुरा असर

पड़ेगा। विजय ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की आलोचना करते हुए कहा कि वह परंदुर के लोगों से मिलने तक नहीं गए।

उन्होंने कहा, वे भी हमारे ही लोग हैं... अगर आप परंदुर क्षेत्र के लोगों से मिलने नहीं जाते, तो मैं उन्हें सचिवालय लाकर आपसे मिलवाने को तैयार हूं। कार्यकारिणी की बैठक में विजय को गठबंधन पर निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया गया और दो करोड़ सदस्यों को नामांकित करने के लिए सदस्यता अभियान चलाने का भी संकल्प लिया गया।

विजय मतदाताओं से मिलने और पार्टी के लिए समर्थन जुटाने के लिए सितंबर से दिसंबर तक राज्यव्यापी दौरा करेंगे। एक प्रस्ताव में केंद्र से श्रीलंका से कच्चातिवु द्वीप वापस लेने की मांग की गई। एक अन्य प्रस्ताव में नयी दिल्ली में किसानों के प्रदर्शन के दौरान उनके साथ किए गए 'व्यवहार' को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार की निंदा की गई। प्रस्ताव में कहा गया कि टीवीके राज्य में आम किसानों के हित से जुड़े मुद्दों को उठाएगी।

मोदी, अमित शाह ने तमिलनाडु को अधिक धन आवंटन का झूठा दावा किया : द्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार यह झूठ बोल रही है कि उसके शासनकाल में राज्य को कांग्रेस सरकार की तुलना में अधिक धनराशि उपलब्ध कराई गई है। द्रविड़ पार्टी के आधिकारिक मुखपत्र मुरासोली' ने द्रमुक के 'ओरानियिल तमिलनाडु' (एक टीम के रूप में तमिलनाडु) सदस्यता नामांकन अभियान पर अपने संपादकीय में कहा कि पार्टी हमेशा खुद को नया रूप देती रही है और यही कारण है कि यह अब भी युवा है, हालांकि इसने 75 साल का मील का पत्थर पार कर लिया है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने एक जुलाई को 'ओरानियिल तमिलनाडु' (ओटीएन) अभियान और तीन जुलाई को लोगों तक पहुंचने के लिए घर-घर का दौरा शुरू किया। द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने कहा कि ओटीएन में चुनाव अभियान, सदस्यता नामांकन, राज्य सरकार की उपलब्धियां और केंद्र द्वारा तमिलनाडु के साथ किए गए कथित विश्वासघात को शामिल किया गया है तथा मोटे तौर पर इसका उद्देश्य राज्य की भाषा और

सम्मान की रक्षा के लिए लोगों को एकजुट करना है। तमिलनाडु में अप्रैल 2026 में विधानसभा चुनाव होना है।

द्रमुक के तमिल दैनिक ने कहा कि तमिलनाडु के लोग अच्छी तरह जानते हैं कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने तमिलनाडु के साथ विश्वासघात किया है। द्रविड़ अखबार ने आरोप लगाया, केवल विश्वासघात ही भाजपा का तरीका है और वे लोगों का भला करना नहीं जानते। हालांकि, वे झूठ के जरिए लोगों का ध्यान भटकाते हैं। इसमें कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर केंद्र में बैठे सभी लोग बार-बार झूठ बोल रहे हैं कि तमिलनाडु को कांग्रेस के शासन के मुकाबले भाजपा के शासन में ज्यादा राशि मिल रही है। संपादकीय में कहा गया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अकसर यही कहते रहते हैं। अखबार ने कहा कि उन्होंने यह नहीं बताया कि वे किन योजनाओं के माध्यम से धनराशि उपलब्ध करा रहे हैं।

रजनीकांत की फिल्म 'कुली' में दिखाई देंगे आमिर खान, पहली झलक आई सामने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दिग्गज अभिनेता रजनीकांत की नई फिल्म 'कुली' के निर्माताओं ने एक्शन से लबरेज इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे अभिनेता आमिर खान की पहली झलक जारी की है।

'कैथी', 'मास्टर', 'विक्रम' और 'लियो' जैसी फिल्मों के निर्माता लोकेश कनगराज ने 'कुली' का निर्देशन किया है और सन पिक्चर्स' ने फिल्म का निर्माण किया है। आमिर, 'कुली' में संक्षिप्त भूमिका निभाएंगे। आमिर की हालिया रिलीज 'सितारे जमीन पर' बॉक्स ऑफिस पर सफल रही है। 'सन पिक्चर्स' ने 60 वर्षीय आमिर की पहली झलक साझा की और उनके किरदार का नाम दहा है। 'सन पिक्चर्स' ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कुली' की दुनिया में दहा के रूप में आमिर खान का स्वागत है। कुली' 14 अगस्त को दुनिया भर में छा जाने के लिए तैयार है।यह फिल्म रजनीकांत की 171वीं फिल्म होगी और इसमें नागार्जुन, श्रुति हसन और सत्यराज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में होंगे। अनिरुद्ध रविचंदर ने फिल्म के लिए संगीत तैयार किया है और फिल्म की शूटिंग इस वर्ष मार्च में पूरी हुई थी।

तलाश प्रयासों में देरी नहीं हुई : कोट्टायम मेडिकल कॉलेज की घटना पर मंत्री वासवन का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/कोट्टायम/भाषा। केरल के सहकारिता मंत्री वी एन वासवन ने शुक्रवार को इन आरोपों को खारिज किया कि कोट्टायम मेडिकल कॉलेज के ढहे हिस्से में तलाश एवं बचाव अभियान में देरी हुई या उसे रोक दिया गया। वासवन ने ऐसे दावों को ''राजनीति से प्रेरित'' बताया। मंत्री का यह बयान विपक्षी दल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तेज विरोध के बीच आया है। दोनों दलों ने एक दिन पहले इमारत ढहने से दो बच्चों की 52 वर्षीय मां की मौत के बाद स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के इस्तीफे की मांग की है। भाजपा ने आरोप लगाया था कि तलाश अभियान में देरी के कारण महिला की मौत हुई जो 'हत्या के समान' है।

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के प्रमुख सनी जोसफ ने आरोप लगाया कि घटना के बाद मौके पर पहुंचे मंत्री वासवन और जॉर्ज ने मामले को कमतर दिखाने की कोशिश की जिसके परिणामस्वरूप तलाश अभियान में देरी हुई। उन्होंने दावा किया कि जॉर्ज को पद पर बने रहने का कोई नैतिक या कानूनी अधिकार नहीं है। जोसफ ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल पहुंचने के बाद उन्होंने घटना के बारे में प्रारंभिक जांच कराने की भी कोशिश नहीं की। उन्होंने कोट्टायम में हादसे में मारी गई महिला बिंदु के परिवार से मिलने के बाद शुक्रवार को कहा, इस मामले में कर्तव्य की गंभीर उपेक्षा की गई और आपराधिक लापरवाही हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस घटना के सिलसिले में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करेगी और घटना की न्यायिक जांच की मांग करेगी।

कोट्टायम मेडिकल कॉलेज की घटना में बिंदु (52) की मौत हो गई और तीन अन्य – अलीना (11), अमल प्रदीप (20) और जिनु साजी (38) घायल हो गए। इससे पहले दिन में वासवन ने पत्रकारों से कहा कि उनकी और राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज की यह टिप्पणी कि ढहे हुए हिस्से में कोई नहीं था, चिकित्सा अधीक्षक और अस्पताल के प्राधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी पर आधारित थी। वासवन ने दावा किया कि उन्होंने घटनास्थल पहुंचने पर अग्निशमन एवं बचाव कर्मियों को मलबा हटाने के लिए खुदाई करने वाली मशीन या जेसीबी की तुरंत व्यवस्था करने को कहा था और यह पता लगाने के निर्देश दिए थे कि मलबे में कोई फंसा तो नहीं है। उन्होंने कहा कि भारी मशीनरी को वहां लाने में समय लगा क्योंकि इसके लिए रास्ता बनाया गया।

उन्होंने कहा, बचाव अभियान न तो रोका गया और न ही इसमें देरी हुई। इस तरह के आरोप राजनीति से प्रेरित हैं और राजनीतिक लाभ के लिए लगाए गए हैं। इस बीच बिंदु के घर पर दुख का माहौल देखा गया। बड़ी संख्या में लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए उनके घर पहुंच रहे हैं। अंतिम संस्कार दोपहर तक किए जाने की उम्मीद है। कोट्टायम सरकारी मेडिकल कॉलेज के वार्ड 10, 11 और 14 के समीप स्थित शौचालय परिसर उस समय ढह गया था जब नवनिर्मित सर्जिकल ब्लॉक में अस्पताल का परिचालन पूर्णतः स्थानांतरित करने की प्रक्रिया जारी थी।

कांग्रेस नीत विपक्षी गठबंधन 'यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट' (यूडीएफ) ने बचाव अभियान शुरू करने में देरी का बृहस्पतिवार को आरोप लगाते हुए दावा किया कि लापता महिला के रिश्तेदारों द्वारा चिंता जताए जाने के बाद ही खोज अभियान गंभीरता से शुरू किया गया। विपक्ष ने मंत्री जॉर्ज पर इस्तीफा देने का दबाव भी बनाया और घटना की न्यायिक जांच की मांग की। कोट्टायम जिले के थालयोलापरम्बु की बिंदु को घटना के दो घंटे से ज़्यादा समय बाद मलबे से निकाला गया और उसे मृत घोषित कर दिया गया। शुक्रवार को महिला के परिवार ने दावा किया कि अब तक किसी भी मंत्री या सरकार के किसी भी व्यक्ति ने उनसे संपर्क नहीं किया है। उनके पति ने दावा किया कि घटना के बाद वह अस्पताल में मौजूद थे लेकिन किसी भी मंत्री ने उनसे संपर्क करने की ज़हमत नहीं उठाई।

वहीं मंत्री वासवन ने कहा कि सरकारी प्रतिनिधियों के माध्यम से महिला के परिवार के साथ चर्चा की गई और शीघ्र पोस्टमार्टम सहित उनकी मांगों पर विचार किया गया। वासवन ने कहा, उन्हें यह भी बताया गया कि महिला की बेटी के इलाज और परिवार के लिए मुआवजे से संबंधित उनकी अन्य मांगों पर भी सरकार विचार करेगी। मेडिकल कॉलेज में बिंदु की बेटी की सर्जरी होनी थी और इसी के लिए वह अस्पताल में थीं।

कच्चातिवु द्वीप को सौंपने का कोई इरादा नहीं : श्रीलंका के विदेश मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने कहा कि उनके देश का कच्चातिवु द्वीप छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। हेराथ ने बृहस्पतिवार को सिरासा टीवी से बातचीत में कहा, ''इस मुद्दे को सुलझाने के लिए हमारे राजनयिक माध्यम हैं लेकिन यह तय है कि श्रीलंका कभी भी कच्चातिवु को छोड़ने के लिए सहमत नहीं होगा।'' श्रीलंका के विदेश मंत्री ने यह बात श्रीलंकाई जलक्षेत्र में भारतीय मछुआरों को लगातार गिरफ्तार किए जाने की घटनाओं से जुड़े एक सवाल के जवाब में कही। भारत और श्रीलंका के मछुआरे एक-दूसरे के जलक्षेत्र में अनजाने में प्रवेश कर जाते है और वहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 27 जून को कहा था कि श्रीलंका द्वारा भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार करने का मुद्दा 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान हुए

एक समझौते से उपजा है, जिसके तहत कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में मछली पकड़ने के अधिकारों को छोड़ दिया गया था। हेराथ ने इस मुद्दे को यह कहते हुए टाल दिया कि कच्चातिवु मुद्दे पर ''बयानबाजी'' केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी के बीच राजनीतिक ''वाद-विवाद'' है। हेराथ ने भारतीय मछुआरों पर कच्चातिवु के निकट मछली पकड़ने के लिए श्रीलंका की समुद्री सीमा में घुसने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे न केवल संसाधनों को लूटते हैं बल्कि समुद्री पौधों को भी नुकसान पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन हम निश्चित रूप से जानते हैं कि भारत सरकार श्रीलंकाई जलक्षेत्र में लगातार अवैध मछली पकड़ने के पक्ष में नहीं है।''

माकपा के वरिष्ठ नेता अच्युतानंदन की हालत गंभीर

तिरुवनंतपुरम/भाषा। हृदयाघात के बाद तिरुवनंतपुरम के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराए गए केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वी एस अच्युतानंदन की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। अस्पताल के सूत्रों ने यह जानकारी दी।

शुक्रवार को अस्पताल द्वारा जारी मेडिकल बुलेटिन में कहा गया कि उनकी स्वास्थ्य स्थिति पहले जैसी ही बनी हुई है। बुलेटिन में कहा गया कि वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता जीवन रक्षक प्रणाली पर हैं और उनका डायलिसिस किया जा रहा है।

अच्युतानंदन (101) को हृदयाघात और आयु संबंधी बीमारियों के कारण 23 जून को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक टीम उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रख रही है।

पति ने महिला पार्षद की हत्या कर दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई के पश्चिमी उपनगर तिरुनिनरावूर नगर निगम की एक महिला पार्षद की उसके पति ने निजी विवाद के कारण कथित तौर पर धारदार हथियार से हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मृतका एस गोमती (38) ने निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था और नगर निकाय चुनाव में जीत हासिल की थी। पुलिस ने बताया कि पार्षद के पति स्टीफन राज ने बृहस्पतिवार रात को तिरुनिनरावूर के पेरियार कॉलोनी में अपने घर के पास पत्नी पर हमला किया और उसके खून से लथपथ शव को छोड़कर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि दंपति की शादी को लगभग दस वर्ष हो गये थे। दोनों विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) पार्टी के सदस्य थे।

बैठक

बेंगलूरु में शुक्रवार को विधान सौधा सम्मेलन हॉल में हेमावती परियोजना की तुमकुर शाखा नहर के अंतर्गत लिंक नहर कार्य के संबंध में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस बैठक में केंद्रीय जल शक्ति एवं रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, सांसद, विधायक, वरिष्ठ अधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

वीटीयू के 25वां दीक्षांत समारोह

राज्यपाल का स्नातकों से राष्ट्र निर्माण के लिए ज्ञान समर्पित करने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी।बेलगावी में विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वीटीयू) के 25वें दीक्षांत समारोह में अपने उत्साहवर्धक संबोधन में कर्नाटक के माननीय राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत ने विश्वविद्यालय के स्नातकों से अपने ज्ञान और कौशल को राष्ट्र की सेवा में समर्पित करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने नव-सम्मानित स्नातकों को संबोधित करते हुए कहा, चुनौतियाँ आएंगी और असफलताएँ अवश्यंभावी हैं – लेकिन असफलता एक सबक है और हर संघर्ष एक अवसर है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा, सपने वे नहीं हैं जो आप नींद में देखते हैं; सपने वे हैं जो आपको जगाए रखते हैं। बड़े सपने देखें, राष्ट्रहित में सपने देखें और उन सपनों को साकार करने का प्रयास करें।

भारत रत्न सर एम. विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि देते हुए राज्यपाल ने उन्हें तकनीकी उत्कृष्टता, दूरदर्शी सोच और देशभक्ति की भावना का

प्रतीक बताया। उन्होंने स्नातकों से इस विरासत का अनुसरण करने का आग्रह किया और उन्हें याद दिलाया कि ज्ञान केवल रोजगार प्राप्त करने का साधन नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए सार्थक योगदान देने की जिम्मेदारी है। चौथी औद्योगिक क्रांति के परिवर्तनकारी युग पर प्रकाश डालते हुए, श्री गहलोत ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और स्वच्छ ऊर्जा जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के प्रभाव का उल्लेख किया। इस तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में, युवा प्रौद्योगिकीविदों के रूप में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण है। आप एक ऐसी दुनिया में नवाचार के मामले में सबसे आगे हैं जो अब पहले से कहीं अधिक परस्पर जुड़ी हुई है। राज्यपाल ने स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी राष्ट्रीय पहलों की प्रशंसा की और इन आंदोलनों में युवा पेशेवरों और छात्रों के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, आपके नवाचार, आपके विचार और आपकी कार्यशैली भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। ग्रामीण सिंचाई से लेकर साइबर सुरक्षा तक हमारे समाज के सामने आने वाली चुनौतियाँ प्रभाव के लिए अपार अवसर प्रस्तुत करती हैं। आजीवन सीखने की मानसिकता को प्रोत्साहित करते हुए राज्यपाल ने कहा, प्रतिदिन नई प्रौद्योगिकियां उभर रही हैं। आज जो अत्याधुनिक है, वह कल अप्रचलित हो जाएगी। जिज्ञासु बने रहें, प्रेरित रहें और नवाचार के लिए प्रतिबद्ध रहें।

उन्होंने प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कर्नाटक की अग्रणी भूमिका पर भी प्रकाश डाला और कहा, बेंगलूरु को वैश्विक स्तर पर एक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है और कर्नाटक आईटी, जैव प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप और नवाचार में अग्रणी बना हुआ है। अब यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप इस विरासत को आगे ले जाएं और भारत को वैश्विक तकनीकी महाशक्ति के रूप में उभरने में योगदान दें।

अपने संबोधन के समापन पर राज्यपाल ने स्नातकों से आग्रह किया कि वे अपनी शिक्षा का उपयोग व्यापक भलाई के लिए करें। आइए हम ज्ञान के साथ आगे बढ़ने, उद्देश्यपूर्ण नवाचार करने और अपने राज्य और देश को गौरवान्वित करने का संकल्प लें। दीक्षांत समारोह में भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय कुमार सूद, वीटीयू के कुलपति प्रो. एस. विद्याशंकर और अन्य गणमान्य अतिथियों ने भाग लिया।

इंडसइंड बैंक ने चेन्नई में पूर्णतः महिला शाखा का किया उद्घाटन

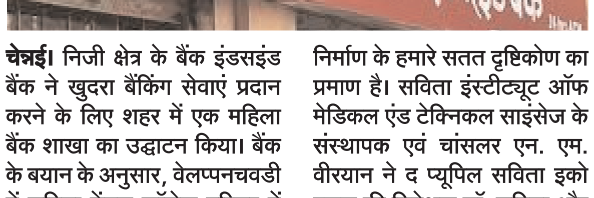

चेन्नई। निजी क्षेत्र के बैंक इंडसइंड बैंक ने खुदरा बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए शहर में एक महिला बैंक शाखा का उद्घाटन किया। बैंक के बयान के अनुसार, वेलप्पनचवडी में सविता डेंटल कॉलेज परिसर में स्थित यह देश में बैंक की यह 12वीं महिला शाखा है। महिलाओं द्वारा संचालित इस शाखा के उद्घाटन पर इंडसइंड बैंक के प्रमुख (शाखा बैंकिंग एवं गृह बाजार) विनीत धर ने कहा, यह पहल एक समावेशी एवं समतामूलक बैंकिंग परिवेश के निर्माण के हमारे सतत दृष्टिकोण का प्रमाण है। सविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंसेज के संस्थापक एवं चांसलर एन. एम. वीरयान ने द प्यूपिल सविता इको स्कूल की निदेशक डॉ. सविता और सविता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग की निदेशक डॉ. राम्या की उपस्थिति में शाखा का औपचारिक उद्घाटन किया। विज्ञप्ति के अनुसार 31 मार्च 2025 तक इंडसइंड बैंक दक्षिण भारत में 800 से अधिक शाखाओं का संचालन कर रहा है।

हिरासत में पुलिस की पिटाई में मारे गए अजित कुमार को 50 बाहरी चोटें आईं : अन्नाद्रमुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक ने शुक्रवार को कहा कि पुलिस द्वारा की गई पिटाई में मारे गए शिवगंगा जिले के मंदिर के एक गार्ड अजित कुमार की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से कई भयावह तथ्य सामने आए हैं।

मुख्य विपक्षी दल ने एक सरकारी अस्पताल की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुए चोटों की सूची दी और कहा कि जिन लोगों ने ऐसे घाव दिए, वे मनुष्य के रूप में जानवर हैं। ऑल इंडिया अन्नाद्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने आभूषण चोरी के एक छोटे से मामले में संदिग्ध से पूछताछ करने के लिए शिवगंगा जिले में विशेष पुलिस दल की आवश्यकता पर आश्चर्य व्यक्त किया।

अन्नाद्रमुक के आईटी प्रकोष्ठ ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 50 बाहरी चोटें, जलती सिगरेट से यातनाएं, सिर पर गंभीर प्रहार, मस्तिष्क में रक्त का रिसाव... इसके अलावा, पार्टी ने कहा कि पेट पर लकड़ी का एक लट्ठा मारा गया, जिससे चोटें आईं, और हर एक चोट जो दी गई, वह बेहद भयावह थी। पार्टी ने शिकायतकर्ता के पिछले इतिहास का हवाला देते हुए संदेह और भ्रम का हवाला दिया। शिकायतकर्ता महिला ने अपनी कार से सोने के आभूषण चोरी होने का आरोप लगाया था। इसके बाद, इस सिलसिले में पुलिस ने मंदिर के अस्थायी गार्ड कुमार से पूछताछ करते समय 28 जून को कथित तौर पर उसे प्रताड़ित किया और पीट-पीटकर मार डाला।

मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ ने कहा था कि एक हत्यारा भी किसी व्यक्ति को इतनी चोट नहीं पहुंचा सकता।

कुमार की कथित पोस्टमार्टम रिपोर्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने एक जुलाई को मामला सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया और कहा कि सरकार केंद्रीय एजेंसी को पूरा सहयोग देगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यह जानकर दुख हुआ कि पूछताछ के लिए ले जाए गए कुमार की पुलिस द्वारा की गई पिटाई के कारण तिरुप्पुवनम में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। उन्होंने कहा, यह अनुचित है और इसे माफ नहीं किया जा सकता। कुमार शिवगंगा जिले के तिरुप्पुवनम तालुक के मदाप्पुरम गांव के रहने वाले थे।

सामूहिक विवाह सम्मेलन से मिल रही समाज को सकारात्मक दिशा : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र एवं राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार कृतसंकल्पित है। शर्मा शुक्रवार को यहां राज्य महिला सदन, सांगानेर में सामूहिक विवाह सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन जरूरतमंदों का सहारा बन रहे हैं। ऐसे आयोजन समाज को सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन हमारी सरकार की सामाजिक समावेशन और महिला सशक्तिकरण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

यह आयोजन सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित बेटियों के लिए एक नया सवेरा है। इससे उन्हें सम्मान, स्नेह और आत्मनिर्भरता की राह मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले सामूहिक विवाह के बाद 1900 से अधिक युवकों ने विवाह के लिए आवेदन किया था। इनमें से 11 योग्य युवकों का चयन किया गया, जो आज हमारी लाड़लियों के जीवनसाथी बने हैं। यह चयन प्रक्रिया पारदर्शी रही, इसमें बेटियों के सम्मान और पसंद को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। शर्मा ने कहा कि हमारा दृढ़ संकल्प है कि प्रदेश की हर बेटी, हर महिला न केवल आत्मनिर्भर बने बल्कि समाज में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए।

हमारी सरकार ने उनके कल्याण और सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं शुरू की हैं, जिनका सीधा लाभ लाखों बालिकाओं और महिलाओं तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में विवाह के लिए 21 हजार से 51 हजार रुपये तक की सहायता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत पिछले डेढ़ वर्ष में 13 हजार से ज्यादा बेटियों को 71 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। लाडो प्रोत्साहन योजना बालिकाओं के जन्म को प्रोत्साहित करने और उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो रही है। मुख्यमंत्री ने 11 लाड़लियों और उनके जीवनसाथियों को सुखी-वैवाहिक जीवन के लिए आशीर्वाद दिया। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 21-21 हजार रुपये की सहायता राशि के चैक भेंट किए।

मेवाड़ महामंडलेश्वर संत चेतनदास महाराज का निधन

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले के कपासन स्थित मुंगाणा धाम के पीठाधीश्वर मेवाड़ महामंडलेश्वर संत चेतनदास महाराज का शुक्रवार को निधन हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार संत चेतनदास महाराज (90) लम्बे समय से बीमार थे और उदयपुर के एक निजी अस्पताल में उपचाराधीन थे। इसी दौरान सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन का समाचार सुनकर भक्तों में शोक व्याप्त हो गया और बड़ी संख्या में लोग अस्पताल एवं मुंगाणा स्थित उनके आश्रम पहुंच गये। आश्रम सूत्रों ने बताया कि महाराज जी के अंतिम दर्शन के लिए उनकी महाप्रयाण यात्रा शनिवार प्रातः आठ बजे मुंगाणा कस्बे में निकाली जाएगी और पूर्वाह्न 11 बजे उनके आश्रम में ही समाधिस्थ किया जाएगा। मूलतः मध्यप्रदेश के निवासी संत चेतनदास महाराज की बाल्यकाल से कृष्ण भक्त थे और वैराग्य के बाद वह मुंगाणा आ गये। वहां कृष्ण स्वरूप प्रतिमा खुदाई में निकलने पर उन्होंने वहां सांवलियाजी का एक भव्य मंदिर बनवाया। अपने जीवनकाल में उन्होंने मेवाड़ एवं मध्यप्रदेश के करीब 1700 मंदिरों का जीर्णोद्धार करवाया था। उनके भक्त इस क्षेत्र ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न प्रांतों के साथ विदेशों में भी है।

राजस्थान में भारी बारिश का दौर जारी, पोकरण में 128 मिलीमीटर वर्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मानसून की तेज बारिश का दौर जारी है और पिछले 24 घंटे में सर्वाधिक 128 मिलीमीटर बारिश पोकरण में हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के अनेक भागों में तेज बारिश का दौर अभी जारी रहेगा।

इसके अनुसार शुक्रवार सुबह तक पिछले चौबीस घंटे की अवधि में राज्यभर, खासतौर पर पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी से अति भारी बारिश हुई। इस दौरान सबसे अधिक बारिश पोकरण (जैसलमेर) में 128 मिलीमीटर हुई।

वहीं राज्य के एक दो जिलों में अब भी तेज गर्मी पड़ रही है और सर्वाधिक अधिकतम तापमान श्रीगंगानगर में 40.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी के अनुसार पूर्वी राजस्थान के कोटा, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में आगामी चार-पांच दिन बारिश की गतिविधियां जारी रहने व कहीं-कहीं भारी/अतिभारी बारिश की संभावना है। वहीं जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी आगामी दो-तीन दिन मध्यम व कहीं-कहीं तेज बारिश हो सकती है।

भजनलाल ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार सुबह स्वामी विवेकानंद को उनकी 123वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। शर्मा ने स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने मुख्यमंत्री निवास पर स्वामीजी के विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने देश के युवाओं में आत्मबल, राष्ट्रप्रेम और सांस्कृतिक गौरव का संचार किया। उनके विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उनके प्रसिद्ध संदेश 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो' से प्रेरित होकर युवा 'विकसित भारत' के निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

विवेकानंदजी का जीवन सेवाभाव, आत्मविश्वास और कर्मयोग के मार्ग पर चलने की राह दिखाता है। उन्होंने कहा कि विश्व को शांति और सद्भावना का संदेश देने वाले स्वामी विवेकानंद के विचार हमारे मार्गदर्शक हैं। उन्होंने भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों को विश्वपटल पर स्थापित किया। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र और राज्य सरकार युवाओं, किसानों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृतसंकल्पित हैं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार स्वामी विवेकानंद के विचार 'सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है, दूसरों की सेवा करना ही सच्चा जीवन है' को आत्मसात कर समाज के प्रत्येक वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास पर उपस्थित अधिकारियों- कर्मचारियों ने भी स्वामी विवेकानंद के चित्र समक्ष पुष्प अर्पित किए।

मोदी की दूरदर्शी और प्रभावी विदेश नीति ने भारत को वैश्विक मंच पर दी नई पहचान : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी और प्रभावी विदेश नीति ने भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दी है और उनकी कुशल कूटनीति और नेतृत्व ने भारत को विश्व के सबसे शक्तिशाली और सम्मानित देशों की श्रेणी में ला खड़ा किया है। शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर देर रात वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लंदन में यूके की संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स में संस्कृति युवा संस्था द्वारा आयोजित 12वें 'भारत गौरव अवार्ड' समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश की अनमोल प्रतिभाओं ने अपने कार्यों से भारत की ताकत और संभावनाओं से विश्व को परिचित कराया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल भारतीय प्रतिभाओं के सम्मान का उत्सव ही नहीं बल्कि भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच मजबूत और सौहार्दपूर्ण संबंधों का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समृद्ध संस्कृति, आतिथ्य और गौरवशाली इतिहास के लिए दुनिया भर में विख्यात हमारा प्रदेश राइजिंग राजस्थान पहल के माध्यम से विकास की नई गाथा लिख रहा है। 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों ने राज्य में रोजगार और समृद्धि की अपार संभावनाएं बनाई हैं। पिछले डेढ़ वर्ष में राजस्थान ने निवेश,

नवाचार और समावेशी विकास के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान में विकास की अपार संभावनाएं हैं। खनन, पर्यटन और उद्योग सेक्टर में राजस्थान आगे बढ़ रहा है। यहां शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में बेहतर कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महल, किले, हवेलियों की भव्यता और गौरवशाली इतिहास को देखने के लिए दुनियाभर से पर्यटक यहां आते हैं। वहीं धार्मिक स्थलों, अभ्यारण्यों एवं रेगिस्तानी क्षेत्र में भी पर्यटन का तेजी से विस्तार हो रहा है।

उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि प्रवासी भाई-बहन राजस्थान आएं और यहां निवेश कर विकास यात्रा का हिस्सा बनें। उनका योगदान राजस्थान को नई उंचाईयों पर ले जाएगा।

साथ ही, भारत के वैश्विक नेतृत्व को और अधिक सशक्त बनाएगा। मुख्यमंत्री ने समारोह में सम्मानित प्रतिभाओं को बधाई देते हुए कहा कि 'भारत गौरव अवार्ड' समारोह देश की असीम संभावनाओं, हमारी एकता और वैश्विक मंच पर हमारी बढ़ती ताकत का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि संस्कृति युवा संस्थान द्वारा आयोजित इस समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर और दुपट्टा ओढ़ाकर भारत गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस दौरान विश्व के 18 देशों से आए प्रतिनिधियों ने समारोह में भाग लिया। समारोह में लंदन के सांसद नवेंदु मिश्रा, यूनाइटेड किंगडम की पूर्व केन्द्रीय मंत्री और हाउस ऑफ लॉर्ड्स की सदस्य बैरोनेस संदीप वर्मा, हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्य रामी रेंजर, लंदन के पूर्व मेयर सुनील चोपड़ा, पूर्व सांसद वीरेंद्र शर्मा, प्रयाग महाकुंभ के सलाहकार राकेश के. शुक्ला, संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा सहित गणमान्य लोग मौजूद थे।

बीएलओ चुनाव व्यवस्था की फील्ड पर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी : महाजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि बूथ लेवल ऑफिसर्स चुनाव व्यवस्था की फील्ड पर सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं, जो मतदाता सूची की शुद्धता एवं निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं। अतः उनकी नियुक्ति में कार्य कुशलता, प्रतिबद्धता और स्थानीय मतदाताओं से संपर्क जैसे गुणों को प्राथमिकता दी जाए। महाजन शुक्रवार को शासन सचिवालय में मतदान केंद्र रेशनलाइजेशन, मतदाता सूची पुनरीक्षण, बीएलओ नियुक्ति आदि विषयों पर वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पोलिंग स्टेशन रेशनलाइजेशन का कार्य पूर्णतः मतदाता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया जाए। रेशनलाइजेशन इस प्रकार हो कि हर मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की आसान पहुँच, मूलभूत सुविधाएँ, दूरी आदि का संतुलन बना रहे। उन्होंने प्रत्येक मतदान केंद्र पर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति के लिए निर्देश दिए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि रिक्त पदों पर बीएलओ की जल्द नियुक्ति की जाये और संभावित नए मतदान केन्द्रों के लिए बीएलओ नियुक्ति की प्रक्रिया भी प्रारंभ करें। जिससे मतदाता सूची निर्माण में और अधिक पारदर्शिता लाई जा सके। उन्होंने मतदाता सूची में नाम जुडवाने, हटवाने और संशोधन से संबंधित जानकारी सरलता एवं सुगमता से आमजन तक उपलब्ध हो, इसके लिए विभिन्न प्रचार सामग्रियों एवं सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग के निर्देश दिए।

जैसलमेर में निजी बस की टक्कर से चरवाहे व 25 भेड़ों की मौत

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में एक निजी बस ने भेड़ों के एक रेवड़ (समूह) को कुचल दिया जिससे चरवाहे तथा 25 भेड़ों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सदर थाने के सहायक उप निरीक्षक एएसआई मुकेश बीरा ने बताया कि यह हादसा जैसलमेर-बाड़मेर राजमार्ग बृहस्पतिवार रात उस समय हुआ जब निजी यात्री बस बाड़मेर से जैसलमेर आ रही थी। उन्होंने बताया कि छोड़ गांव का निवासी बसीर खान 35 भेड़ों के साथ लौट रहा था तभी बस ने उसे तथा उसके रेवड़ को टक्कर मार दी। बीरा ने बताया कि चालक वाहन लेकर फरार हो गया और सूचना मिलने पर पुलिस व अन्य लोग घटनास्थल पर पहुंचे।

बसीर खान को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि 35 में से 25 भेड़ों की भी मौत हो गई और 10 घायल हैं। पुलिस ने बताया कि चालक की तलाश की जा रही है।

चुनाव आयोग द्वारा कांग्रेस नेताओं के साथ किया गया व्यवहार अशोभनीय : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बिहार चुनाव से पूर्व चुनाव आयोग द्वारा कांग्रेस नेताओं के साथ किए गए व्यवहार को बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा है कि देश किस दिशा में जा रहा है और किस दिशा में जाएगा, यह उसका नमूना है। गहलोत शुक्रवार को मीडिया के इस बारे किए सवाल पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि वह लंबे अरसे से कह रहे है कि देश किस दिशा में जा रहा है, किस दिशा में जाएगा, उसका यह नमूना है जो कांग्रेस नेताओं के साथ जो व्यवहार किया गया है। उन्होंने कहा मेरे ख्याल से इतिहास में , आजादी के बाद में पहली बार इलेक्शन कमीशन के जो वहां पर जो भी लोग थे चेयरमैन थे मेंबर थे या जो भी व्यवहार किया गया है जिसने भी किया है मैं समझता हूं वो बहुत अनफॉर्चुनेट है।

मैने कभी सुना ही नहीं, हम लोग भी कई बार गए हैं हम ने भी कई ऐसी बीते समय में कही होंगी उससे हो सकता है चेयरमैन को, ईसीआई चेयरमैन को या मेंबर को अच्छा नहीं लगा होगा तब भी उनका व्यवहार बड़ा शालीनता से होता था, उनकी ड्यूटी भी है कि कोई नागरिक है देश का मतदाता कोई भी है, नेता है पॉलिटिकल पार्टी का उसको धैर्य से सुनें और निष्पक्ष फैसला करें यह ड्यूटी है।

बहुत बड़ी ड्यूटी है, इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया किसे कहते हैं जिसके ऊपर पूरा चुनाव डिपेंड करता है बहुत बड़ी संस्था है बहुत क्रेडिबल संस्था है उसके बारे में जो कल परसों सुन रहे हैं जो व्यवहार किया गया है वो बहुत ही मैं समझता हूं अशोभनीय है इनको किन शब्दों में आलोचना करूं मेरी समझ नहीं आ रहा है।

उन्होंने कहा कि पहले भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र को लेकर कई सवाल उठाए थे उसका भी प्रॉपर जवाब नहीं दे पाए ये लोग। उनको आर्टिकल लिखना पड़ा, उसका कोई जवाब नहीं तो ये व्यवहार इलेक्शन कमीशन के पार्ट पर किसी भी ढंग से उचित नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा मेरे ख्याल से इसका रिएक्शन पूरे देश के अंदर है और बहुत भयंकर रिएक्शन है।

बहुत भयंकर रिएक्शन तो इस प्रकार का व्यवहार तो मैंने कभी सुना नहीं किसी डेलिगेशन हो विपक्ष का हो इंडिया गठबंधन का हो ऐसा व्यवहार तो मैंने कभी सुना ही नहीं ये पहली बार मैं सुन रहा हूं , आप सोच सकते हो कि देश कहां जा रहा है कैसे जाएगा, सब दबाव में काम कर रहे हैं देश के अंदर, इनकम टैक्स, ईडी, सीबीआई को पहले से हम कह रहे हैं दबाव में ये प्रीमियर संस्था तीनों हैं।

सरकार समग्र जनकल्याण और सामुदायिक विकास के लिए प्रतिबद्ध : जोगाराम पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को जोधपुर सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही कर आमजन को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा है कि माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के निराकरण के साथ ही समग्र जनकल्याण और सामुदायिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा जनता तथा क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के प्रति अधिकारी गंभीरता बरतें तथा जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए सुशासन से परिपूर्ण राज-काज का आदर्श प्रस्तुत करें। इसके लिए विभागीय स्तर पर जन समस्याओं के निस्तारण के लिए पहल करें ताकि क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निराकरण शीघ्रातिशीघ्र हो सके और इसके लिए उन्हें अनावश्यक देरी का सामना न करना पड़े।

पटेल ने कहा कि बुनियादी लोक सेवाओं तथा जन सुविधाओं की नियमित एवं निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना विभागीय अधिकारियों का सर्वोपरि दायित्व है,जिसे संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ निर्वहन करना चाहिए ताकि सुशासन के संकल्प को साकार किया जा सके।

उन्होंने आमजन की समस्याओं को सुना तथा इनके बारे में संबंधित अधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी लेते हुए उनके संतोषपूर्ण एवं त्वरित समाधान के लिए व्यापक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

जनसुनवाई में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, पंचायतीराज, राजस्व, डिस्कॉम, चिकित्सा, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जोधपुर विकास प्राधिकरण एवं जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवादों पर सुनवाई कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान पूर्व कुलपति डॉ गुलाबसिंह चौहान, प्रो.गंगाराम जाखड़, प्रो. रामनिवास शर्मा, खींवराज जांगिड़ सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषक उपहार योजना में किसानों को मिले नगद पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा किसानों को ई-नाम एवं ई-पेमेंट को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से लागू की गई कृषक उपहार योजना के तहत चयनित कृषकों को नगद पुरस्कार प्रदान किए गए। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के शासन सचिव श्री राजन विशाल ने शुक्रवार को पंत कृषि भवन मे राज्य स्तरीय ऑन-लाइन लॉटरी के माध्यम से चयनित किसानों को पुरस्कार स्वरूप चेक वितरित कर सम्मानित किया। योजना के तहत कृषि उपज मण्डी कोटा के कृषक श्री गोलू (मनजीत सिंह) के 2 लाख 50 हजार रूपये का प्रथम पुरस्कार, हनुमानगढ मण्डी के कृषक श्री ओम प्रकाश के 1 लाख 50 हजार रूपये का द्वितीय पुरस्कार और कोटा कृषि उपज मंडी मण्डी के कृषक श्री रामभरोस के 1 लाख रूपये का तृतीय पुरस्कार निकला था। जिन्हें शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी द्वारा चेक वितरित कर सम्मानित किया गया। इन किसानों को उनके राज किसान पोर्टल पर पंजीकृत ई-नाम और ई-पेमेंट आधारित विक्रय लेनदेन के आधार पर राज्य स्तरीय ऑन-लाइन लॉटरी प्रक्रिया से चयनित किया गया। शासन सचिव ने इस अवसर पर किसानों को बधाई देते हुए कहा कि कृषक उपहार योजना न केवल किसानों को डिजिटलीकरण की ओर प्रोत्साहित करती है।

मणिपुर के पहाड़ी जिलों में 200 से अधिक हथियार बरामद

इंफाल/भाषा। मणिपुर के चार पहाड़ी जिलों में सुरक्षा बलों ने कुछ ही घंटों तक चले अभियान में आग्नेयास्त्रों सहित 200 से अधिक हथियार और युद्ध संबंधी सामग्री बरामद की है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

बृहस्पतिवार मध्य रात्रि से शुक्रवार सुबह तक चलाए गए संयुक्त अभियान में बरामद विस्फोटकों में इंसास राइफलें, सेल्फ-लोडिंग राइफलें (एसएलआर) और परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) शामिल थे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) लहरी दोरजी ल्हाटू ने कहा, विभिन्न स्थानों पर भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और अन्य युद्ध संबंधी सामग्री छिपाकर रखे जाने के बारे में विशेष खुफिया जानकारी मिलने के बाद, टेंग्नौपाल, कांगपोकपी, चंदेल और चुराचांदपुर जिलों के अंदरूनी और संदिग्ध क्षेत्रों में कई स्थानों पर एक साथ समन्वित अभियान शुरू किए गए। पुलिस अधिकारी ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि यह अभियान मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स, सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के संयुक्त दलों द्वारा शुरू किया गया।

ल्हाटू ने बताया कि इन अभियानों के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक और अन्य युद्ध संबंधी सामग्री बरामद की गई। बरामद हथियारों में 21 इंसास राइफलें, 11 एके सीरीज, 26 एसएलआर, दो स्नाइपर, तीन कार्बाइन, नौ पिस्तौल और 38 पम्पी शामिल हैं। पम्पी विभिन्न प्रकार के देसी हथियारों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा सुरक्षा बलों को विभिन्न प्रकार के 109 गोलाबारूद, 30 आईईडी, 10 ग्रेनेड भी मिले। उन्होंने कहा, मणिपुर पुलिस एक शांतिपूर्ण और सुरक्षित मणिपुर बनाने के अपने संकल्प को दोहराती है। जनता से अनुरोध है कि वे पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अवैध हथियारों से संबंधित जानकारी तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या केंद्रीय नियंत्रण कक्ष को

सफल और प्रभावी अधिकारी बनने के लिए

संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकता जरूरी : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज्य प्रशासनिक सेवा (पीसीएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों से चुनौतियों पर खरा उतरने की अपेक्षा करते हुए कहा कि सफल और प्रभावी अधिकारी बनने के लिए 'संवाद, संवेदनशीलता और सकारात्मकता' जरूरी है।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक पीसीएस-2022 बैच के सात और 2023 बैच के 38 प्रशिक्षु अधिकारियों से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को कहा, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के प्रशासन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनना, बड़ी चुनौतियों से भरा है और यह चुनौतियां ही आपके व्यक्तित्व को निखारेंगी।

मुख्यमंत्री ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा, उत्तर प्रदेश जैसे राज्य की सेवा का अवसर प्राप्त होना न केवल गौरव की बात है, बल्कि यह आपके व्यक्तित्व और दृष्टिकोण को गहराई से परखने और निखारने का भी माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के उपरांत सेवा के प्रारंभिक पांच-छह वर्षों के दौरान अधिकारियों का व्यवहार, दृष्टिकोण और कार्यशैली उनके आने वाले तीन-चार दशकों की दिशा तय कर देता है। योगी ने कहा, जनता से जुड़ाव और फैसलों में योग्यता को प्राथमिकता दीजिए। एक अधिकारी के रूप में सभी गरीब और कमजोर वर्ग के प्रति संवेदनशील व्यवहार रखें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों का ध्यान भूमि विवादों, पैमाइश और मेड़बंदी जैसे विषयों की ओर आकर्षित करते हुए कहा कि इनमें देरी से जनता में निराशा आती है, इन विषयों के प्रति विशेष संवेदनशीलता होनी चाहिए। लोगों को त्वरित न्याय दिलाना अधिकारियों की कार्यशैली का हिस्सा होना चाहिए और प्रदेश में राजस्व के लाखों मामले लंबित हैं इसलिए अधिकारियों के निर्णयों और सक्रियता से लोगों को राहत मिल सकती है। मुख्यमंत्री ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा, आपका योगदान आने वाले समय में राज्य की नीति और जनता की नियति दोनों को प्रभावित करेगा। पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ कार्य करें।

एआईएमआईएम को बिहार चुनाव से दूर रहना चाहिए : मनोज झा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज झा ने शुक्रवार को कहा कि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को बिहार में विधानसभा चुनाव से दूर रहना चाहिए और विपक्षी महागठबंधन को 'सैद्धांतिक' समर्थन देना चाहिए।

एआईएमआईएम ने 2020 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में पांच सीट पर जीत हासिल की थी लेकिन चार विधायक दो साल के भीतर ही राजद में शामिल हो गए थे। एआईएमआईएम की बिहार इकाई के अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने इस सप्ताह की शुरुआत में राजद प्रमुख लालू प्रसाद को पत्र लिखकर औपचारिक रूप से अपनी पार्टी को महागठबंधन में शामिल करने का अनुरोध किया था। ईमान, राज्य में एआईएमआईएम के एकमात्र विधायक हैं। इस वर्ष के अंत में बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं।

झा ने हालांकि कहा कि एआईएमआईएम को राजद को 'सैद्धांतिक' समर्थन देना चाहिए और बिहार में चुनाव से दूर रहना चाहिए। उन्होंने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, जो भी इस दक्षिणपंथी तानाशाही और नफरत की राजनीति के खिलाफ लड़ रहा है, इतिहास में ऐसे क्षण आते हैं जब आपको उस धारा को मजबूत करने की कोशिश करनी होती है जो मुख्य प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभरी है। राजद नेता ने कहा, तेजस्वी यादव के नेतृत्व में महागठबंधन ने नफरत की इस राजनीति के खिलाफ एक परिभाषित लकीर खींची है। बेहतर होगा कि आप (एआईएमआईएम) चुनाव से दूर रहें व सैद्धांतिक रूप से समर्थन दें और प्रार्थना करें कि बिहार में नफरत की यह राजनीति खत्म हो जाए। ईमान ने दो जुलाई को प्रसाद को लिखे एक पत्र में कहा था कि बिहार के विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के प्रारूप में एआईएमआईएम को शामिल करने से 'धर्मनिरपेक्ष वोटों में विभाजन को रोका जा सकेगा'। ईमान के पत्र को राजद नेताओं ने सोशल मीडिया पर साझा किया था।

हम धर्मनिरपेक्ष, कांग्रेस सबसे बड़ी सांप्रदायिक पार्टी : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कांग्रेस पर मुसलमानों को वोटबैंक बनाए रखने के लिए उनकी गरीबी दूर न करने तथा गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि असल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) धर्मनिरपेक्ष है और मुख्य विपक्षी दल तथा उसकी सहयोगी पार्टियां सबसे बड़े सांप्रदायिक हैं।

उन्होंने हज समीक्षा बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत में यह भी कहा कि वोटबैंक बनने से मुसलमानों को नुकसान हुआ और कांग्रेस को इसका राजनीतिक फायदा हुआ। रीजीजू ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्षी दलों के हमले पर पलटवार करते हुए कहा कि लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में छह अल्पसंख्यक समुदाय हैं और कांग्रेस उन्हें बार बार-बार डराने तथा गुमराह करने की कोशिश नहीं करे।'' उनका कहना था, ''यहां किसी को कोई दिक्कत नहीं है। अल्पसंख्यकों को वही सुविधा मिलती है जो हिंदुओं को मिलती है। अल्पसंख्यकों को अतिरिक्त संरक्षण मिलता है। दुनिया का कोई देश अल्पसंख्यकों को इतनी सुविधा नहीं देता है। राजनीतिक लाभ उठाने के लिए राजनीतिक खेल खेला जा रहा है जो ठीक नहीं है।'' रीजीजू ने कहा, ''मुसलमानों को वोटबैंक बनाकर 75 साल से ज्यादा समय तक जो किया गया है वह बंद होना चाहिए। इसमें नुकसान मुसलमानों का है, फायदा कांग्रेस का होता है।'' उन्होंने दावा किया, ''मुसलमानों को गरीब कांग्रेस ने बनाया है। अब मुसलमानों की ओर तौहीन नहीं होनी चाहिए।''

प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति 'दोषपूर्ण', दुश्मन उत्पन्न कर रही है: खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की विदेश नीति को 'दोषपूर्ण' बताते हुए कहा कि इसने भारत के चारों ओर दुश्मन उत्पन्न कर दिये हैं।

खरगे ने यहां 'सामाजिक न्याय समर भेरी' को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के 42 देशों की यात्रा कर चुके हैं, लेकिन अभी तक उन्होंने मणिपुर का दौरा नहीं किया है, जहां लोग मर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, उनकी विदेश नीति अच्छी नहीं है, जिसकी वजह से हमारे चारों तरफ दुश्मन उत्पन्न हो गए हैं। एक तरफ चीन है, तो दूसरी तरफ पाकिस्तान। आज नेपाल भी हमसे दूर होता जा रहा है। हर कोई हमसे दूर हो रहा है। उन्होंने मोदी पर पिछले 11 वर्ष में देश की अर्थव्यवस्था को चौपट करने और संविधान को तहस-नहस करने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा, अगर कोई मोदी को टोपी या पदक दे, तो वह उसे पहनकर घूमेंगे। खरगे ने कहा कि मोदी को भारतीय किसानों और लोगों की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मोदी जी, आप कहां हैं? वह आठ देशों का दौरा कर रहे हैं, लेकिन अपने देश के लोगों की ओर नहीं देख रहे। वह इस देश के किसानों की ओर नहीं देख रहे।

पुरी नगर निकाय का उन्नयन कर नगर निगम बनाया जाएगा : मोहन चरण माझी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने शुक्रवार को कहा कि पुरी नगर निकाय का उन्नयन कर इसे नगर निगम बनाया जाएगा।

पत्रकारों से बातचीत में माझी ने कहा कि इससे संबंधित सभी प्रक्रियाएं पांच जुलाई को शुरू कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा, सरकार ने पुरी नगरपालिका का उन्नयन करके नगर निगम बनाने का निर्णय लिया है। पुरी महानगर निगम का गठन पुरी शहर और आसपास की पंचायतों के क्षेत्रों को मिलाकर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित पुरी नगर निगम में पुरी सदर और ब्रह्मगिरि खंडों में लगभग सात से आठ पंचायतें होंगी। माझी ने कहा कि भाजपा सरकार पुरी को देश का सर्वश्रेष्ठ धार्मिक और पर्यटन स्थल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, पुरी शहर के सौंदर्यीकरण और विकास के बिना समृद्ध ओडिशा की कल्पना असंभव है। आज की घोषणा समृद्ध राज्य बनाने के सरकार के दृष्टिकोण का हिस्सा है।

हर साल लाखों पर्यटकों के पुरी आने का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सरकार का कर्तव्य है कि वह पर्यटकों और स्थानीय लोगों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करे।

अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में ओडिशा में पांच (भुवनेश्वर, कटक, बरहामपुर, संबलपुर और राउरकेला) नगर निगम हैं। पुरी छठा नगर निगम होगा।

पुरी रथ यात्रा में 'कुप्रबंधन' की न्यायिक जांच हो, राज्यपाल हस्तक्षेप करें : बीजद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। पुरी में भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा की 'बहुडा यात्रा' से पहले विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) ने शुक्रवार को इस वर्ष की रथ यात्रा के दौरान कथित कुप्रबंधन की न्यायिक जांच की मांग की है।

विपक्षी दल ने आरोप लगाया है कि प्रशासन के कुप्रबंधन की वजह से गुंडिचा मंदिर के पास भगदड़ हुई जिसमें तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी जबकि करीब 750 लोगों के घायल होने की जानकारी मिली थी। 'बहुडा यात्रा' शनिवार को होगी, जो 27 जून को रथ यात्रा के साथ शुरू हुए नौ दिवसीय वार्षिक प्रवास के बाद देवताओं की अपने मूल निवास की ओर वापसी यात्रा का प्रतीक है। बीजद ने उत्सव के दौरान हुए घटनाक्रम को ''बेहद दुखद'' करार देते हुए कहा कि राज्य की भाजपा सरकार द्वारा घोषित प्रशासनिक जांच पूरी तरह अपर्याप्त है। बीजद ने एक ज्ञापन में कहा, ''इसलिए हम विनम्रतापूर्वक उड़ीसा उच्च न्यायालय के एक वर्तमान न्यायाधीश की निगरानी में न्यायिक जांच का आग्रह करते हैं, ताकि पीड़ितों के लिए पूर्ण जवाबदेही और न्याय सुनिश्चित हो सके।'' बीजद के वरिष्ठ उपाध्यक्ष देबी प्रसाद मिश्रा के नेतृत्व में सांसदों, विधायकों और अन्य वरिष्ठ नेताओं वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति से मुलाकात की और उन्हें लोगों व पार्टी की चिंताओं से अवगत कराया।

भारत की आंतरिक ताकत को कमजोर करके

कांग्रेस ने चीन की मदद की : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह चीन के खिलाफ भारत की स्थिति को कमजोर करने वाले विमर्श को बढ़ावा दे रही है। पड़ोसी देश की ओर से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने को लेकर विपक्षी पार्टी द्वारा मोदी सरकार की आलोचना किए जाने के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा।

भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, ''अगर चीन पाकिस्तान को हथियार मुहैया करा रहा है और उसे अपने सैन्य उपकरणों के परीक्षण के लिए इस्तेमाल कर रहा है, तो यह एक गंभीर सवाल खड़ा करता है। कांग्रेस पार्टी लगातार ऐसे विमर्शों को क्यों बढ़ावा दे रही है जो चीन के खिलाफ भारत की स्थिति को कमजोर करते हैं।'' वह एक शीर्ष सैन्य अधिकारी के बयान के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर किए गए हमले का जवाब दे रहे थे। सेना अधिकारी ने कहा था कि भारत द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किए जाने के बाद चीन ने पाकिस्तान को हरसंभव सहायता प्रदान की। रमेश ने कहा कि सरकार को संसद में भारत-चीन संबंधों पर चर्चा के लिए सहमत होना चाहिए, ताकि पड़ोसी देश द्वारा सीधे और पाकिस्तान के माध्यम से भारत के समक्ष उत्पन्न की जा रहीं भू-राजनीतिक एवं आर्थिक चुनौतियों पर सामूहिक प्रतिक्रिया के लिए आम सहमति बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि यह वही चीन है जिसने पांच साल पहले लद्दाख में यथास्थिति को पूरी तरह नष्ट कर दिया था, लेकिन

मोदी ने 19 जून, 2020 को उसे ''सार्वजनिक रूप से क्लीन चिट'' दे दी थी। पलटवार करते हुए मालवीय ने अपने आरोप के समर्थन में कई घटनाओं का हवाला दिया और कहा कि कांग्रेस का रुख भारत की स्थिति को कमजोर करने का प्रयास है।

उन्होंने 'एक्स' पर कहा, ''यदि चीन भारत को अस्थिर करने के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल कर रहा है, तो कांग्रेस ने जानबूझकर भारत की आंतरिक ताकत और वैश्विक विश्वसनीयता को कमजोर करके चीन की मदद की है।'' मालवीय ने कहा कि कुछ तथ्य हैं, जिन्हें राहुल गांधी और कांग्रेस नकार नहीं सकते। उन्होंने दावा किया कि गलवान में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प के बाद राहुल गांधी ने भारत सरकार पर हमला किया और ''भारतीय सेना का समर्थन करने के बजाय'' चीन के झूठे दावों को दोहराया। मालवीय ने 'एक्स' पर कहा कि राहुल ने इस बयान कि ''चीन ने हमारी जमीन ले ली है'', का इस्तेमाल चीनी सरकारी मीडिया ने अपनी आक्रामकता को उचित ठहराने के लिए किया। उन्होंने कहा कि 2017 में डोकलाम में तनावपूर्ण गतिरोध के दौरान राहुल गांधी ने दिल्ली स्थित चीनी दूतावास में चीनी अधिकारियों से ''चुपचाप मुलाकात'' की थी और भारत के लोगों को इसका कोई औचित्य या स्पष्टीकरण कभी नहीं दिया गया।

मालवीय ने कहा, ''जब सरकार ने टिकटॉक और पबजी जैसे चीनी ऐप पर प्रतिबंध लगाने के लिए कड़े कदम उठाए, तो कांग्रेस नेताओं ने इस कदम का विरोध किया और इसे भावनात्मक एवं प्रतिक्रियावादी बताया।

दिलीप घोष ने नई पार्टी की अफवाहें खारिज कीं, कहा;

लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भाजपा काफी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने सभी अफवाहों को खारिज करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह भाजपा के वफादार सिपाही हैं और उनका नई पार्टी बनाने का कोई इरादा नहीं है।

घोष की यह टिप्पणी पिछले कुछ हफ्तों से जारी इन अटकलों के बीच आई है कि वह पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले नई पार्टी का गठन कर सकते हैं। उन्हें भाजपा की प्रदेश इकाई में भी काफी समय से ज्यादा सक्रिय नहीं देखा गया है। न्यू टाउन में सुबह की सैर के बाद पत्रकारों से बातचीत में घोष ने कहा, भाजपा ने मुझे मंच दिया, विधायक बनाया, सांसद बनाया और संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपीं। यहां तक कि जिस कार और सुरक्षा का मैं इस्तेमाल करता हूं, वह भी पार्टी ने मुहैया कराई। मैंने कभी कुछ नहीं मांगा। अगर पार्टी चाहती है कि मैं एक साधारण सदस्य के तौर पर काम करूं, तो मैं ऐसा करूंगा। अगर वे मुझे बुलाते हैं, तो मैं जाऊंगा। अगर वे नहीं बुलाते हैं, तो मैं नहीं जाऊंगा। व्यवस्था ऐसे ही चलती है। सुबह की सैर के दौरान राजनीतिक संदेश देने के लिए मशहूर घोष के अध्यक्षीय काल में ही भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई राज्य में अपनी पैठ जमाने में सफल हो सकी थी। उन्होंने कहा कि नई पार्टी की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि भाजपा लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी। घोष ने कहा, मैंने यहां पार्टी को स्थापित करने में मदद की।

चिटफंड घोटाले में ठगे गए पांच लाख लोगों को चार महीने में वापस मिलेगा पैसा : ओडिशा भाजपा अध्यक्ष

भुवनेश्वर/भाषा। भाजपा की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल ने शुक्रवार को कहा कि विभिन्न चिटफंड कंपनियों द्वारा ठगे गए लगभग पांच लाख लोगों को चार महीने में उनका पैसा वापस मिल जाएगा। सामल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 1.26 लाख से अधिक लोगों को पहले ही उनका पैसा वापस मिल चुका है। उन्होंने कहा, ''भाजपा सरकार चिटफंड कंपनियों द्वारा ठगे गए लोगों को पैसा लौटाएगी, चाहे वह 10,000 रुपए हों या 10 लाख रुपए। चिटफंड कंपनियों द्वारा ठगे गए धन को वापस करना पिछले साल के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी द्वारा किए गए वादों में से एक था।'' सामल ने चिटफंड घोटाले के लिए राज्य की पिछली बीजद सरकार को जिम्मेदार ठहराया, जिसमें लाखों लोगों ने अपनी बचत गंवा दी थी। उन्होंने कहा, चिटफंड निवेशकों को पैसा लौटाने की प्रक्रिया पहले से ही चल रही है।

भारत का बांग्लादेश दौरा स्थगित होने की संभावना

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय टीम का बांग्लादेश का आगामी दौरा स्थगित होने की संभावना है क्योंकि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) देश में सुरक्षा स्थिति को लेकर चिंतित है। पिछले साल राजनीतिक अस्थिरता के बाद बांग्लादेश के हालात तनावपूर्ण हैं जिसके कारण शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार को हटा दिया गया था।

भारत को 17 से 31 अगस्त तक चटगांव और ढाका में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और तीन वनडे मैच खेलने थे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''बीसीसीआई जाहिर तौर पर राजनीतिक अस्थिरता और प्रदर्शनों के बाद बांग्लादेश में सुरक्षा स्थिति को लेकर सतर्क है'' हालांकि यह श्रृंखला रद्द नहीं हुई है लेकिन यह बाद की तारीख में 2026 में आयोजित की जाएगी क्योंकि विश्व कप क्वालिफिकेशन के लिए वनडे चैंपियनशिप अंक इससे जुड़े हैं।

मैं विवेकानंद की हिंदू धर्म की परिभाषा में विश्वास करती हूं : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि वह विवेकानंद की हिंदू धर्म की उस परिभाषा में विश्वास करती हैं, जो मानवता का हर चीज से ऊपर रखती है।

विवेकानंद को एक 'संत-देशभक्त' बताते हुए बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि स्वामीजी ने जो सार्वभौमिक भाईचारे और शांति का संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में एक संपन्न परिवार में हुआ था। चार जुलाई 1902 को उनका निधन हो गया था। बनर्जी ने कहा, ''स्वामीजी जिस हिंदू धर्म में विश्वास करते थे, मैं भी उसी में विश्वास करती हूं और वह धर्म कहता है कि मानवता सबसे महान है। स्वामी विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरित होकर मैं चाहती हूं कि बंगाल और देश के लोग, चाहे वे किसी भी धर्म, जाति या वर्ग के हों, एक-दूसरे का सम्मान और प्रेम करें।''

मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि विवेकानंद और उनकी शिष्या सिस्टर निवेदिता के आवास क्रमशः रामकृष्ण मिशन और रामकृष्ण शारदा मिशन को सौंपे जाएं। विवेकानंद ने 1897 में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी। रामकृष्ण शारदा मिशन, रामकृष्ण मठ की तर्ज पर एक महिला साध्वी संगठन है, जिसकी स्थापना 1960 में की गई थी। बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार स्वामीजी के आवास पर संग्रहालय के रखरखाव के लिए वार्षिक अनुदान दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी के बीच स्वामीजी के आदर्शों के और अधिक प्रसार के लिए राज्य सरकार ने उनके जन्मदिन 23 जनवरी को 'विवेक चेतना उत्सव' का आयोजन किया। बनर्जी ने बताया कि युवाओं के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं का नाम स्वामीजी के नाम पर रखा गया है। उन्होंने कहा, ''हमने साल्ट लेक स्टेडियम का नाम बदलकर 'विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन' कर दिया है।''

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता को भारत में भाला फेंक क्रांति की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। तीन ओलंपिक भाला फेंक पदक विजेताओं नीरज चोपड़ा, थॉमस रोहलर और जूलियस येगो के साथ बैठे हुए सचिन यादव काफी उत्साहित दिख रहे थे लेकिन चमचमाते मंच पर देश के स्टार की मौजूदगी की काफी अहमियत रखती है।

यह चोपड़ा के उस ख्वाब की ताबीर है जिसमें वह भाला फेंक को पूरे देश में हर घर तक पहुंचाना चाहते हैं। इस लिहाज से शनिवार को होने वाली नीरज चोपड़ा क्लासिक भारत में मोंडो क्लासिक के बराबर हो सकती है जो विश्व रिकॉर्डधारी और ओलंपिक चैंपियन अर्मांडो डुप्लांटिस द्वारा स्वीडन में अपने गृहनगर उप्साला में होने वाला पोल वॉल्ट टूर्नामेंट है। डुप्लांटिस अपने ही विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने की इच्छा से प्रेरित रहते हैं और अभी तक 15 दफा ऐसा कर चुके हैं। लेकिन चोपड़ा की महत्वकांक्षा इससे बड़ी है। चोपड़ा भारतीय भाला फेंक खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के अपने विचार पर बात करते हुए भावुक हो गए और उन्होंने कहा, ''सबसे पहले मैं जूलियस, थॉमस और भारत के सभी

लोगों को दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। सभी मेरे अच्छे दोस्त हैं और यहां आने के लिए आपका शुक्रिया। आखिरकार हम इतने महान भाला फेंक खिलाड़ियों के साथ यहां बैठे हैं। मैं बहुत खुश हूं कि भारत में इस तरह की प्रतियोगिता आयोजित हो रही है।''

उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि मेजबान देश का प्रतिनिधित्व भी अच्छा रहे जिससे उनके और एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता सचिन के अलावा रोहित यादव, साहिल सिल्वाल और यशवीर सिंह इसमें खेलेंगे। ये सभी युवा भारतीय भाला फेंक एथलीट जर्मनी के 2016 ओलंपिक पदक विजेता रोहलर से आंतरिक रूप से जुड़े हुए हैं क्योंकि उन्होंने उनके लोकप्रिय यूट्यूब चैनल से काफी गुर सीखे हैं।

रोहलर ने कहा कि उभरती हुई प्रतिभाओं से अपने अनुभव और जानकारी साझा करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा ही जानकारी साझा करना पसंद करता हूं क्योंकि तभी मैं खेल में छाप छोड़ सकता हूं। मेरे लिए दूरी, पदक और ये सभी चीजें बस कागज पर लिखे नंबर हैं। मैं खेल में छाप छोड़ सकता हूं। इसलिए मुझे प्रतिभाओं से बात करने में हिचक नहीं होती। मैं खुश हूं कि मैं इनमें से कईयों के लिए प्रेरणास्रोत बन सकता हूं।''

सुविचार

कृष्ण को पाने के लिए राधा ने कभी भाग्य का इंतजार नहीं किया, वो हर दिन प्रेम करती रहीं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिब्बत पर कब्जे की चीनी चालबाजी

तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा का उत्तराधिकारी तय करने के संबंध में चीन द्वारा दिए जा रहे बयान अनर्गल और हास्यास्पद हैं। जिस देश की सरकार धर्म, आस्था, ईश्वर, अवतार, आत्मा, परलोक आदि के अस्तित्व को नकारती है, जिसकी राजनीतिक पार्टी (सीसीपी) की शिक्षाएं नास्तिकता को बढ़ावा देती हैं, वह तिब्बती बौद्धों के धार्मिक मामले में हस्तक्षेप कर रहा है! चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग तिब्बत पर अवैध रूप से अपनी पकड़ मजबूत बनाने के लिए कुछ खास तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। वे इनके जरिए भारत पर भी दबाव डालना चाहते हैं। दलाई लामा अपना उत्तराधिकारी चुने जाने के बारे में पहले ही स्थिति स्पष्ट कर चुके हैं। उन्होंने गादेन फोडरंग ट्रस्ट को यह अधिकार सौंपा है। दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने की प्रक्रिया पूरी तरह धार्मिक होती है। उसमें तिब्बती बौद्ध परंपराओं का पालन करना अनिवार्य होता है। इस प्रक्रिया के लिए मौजूदा दलाई लामा की स्वीकृति मिलनी चाहिए। चूंकि दलाई लामा चीन के दावे को पहले ही खारिज कर चुके हैं, इसलिए चीनी हस्तक्षेप यहीं अमान्य सिद्ध हो जाता है। चीन भले ही इस संबंध में कोई भी बयान देता रहे, दलाई लामा का उत्तराधिकारी तिब्बती बौद्ध परंपराओं के अनुसार चुना जाएगा और यह समुदाय उनके प्रति ही अपनी आस्था रखेगा। चीन का यह कहना कि 'किसी भी भावी उत्तराधिकारी को उसकी स्वीकृति मिलनी चाहिए', अवैध एवं धृष्टतापूर्ण है। चीन चाहता है कि किसी भी तरह से तिब्बती बौद्धों की धार्मिक परंपराओं में उसका हस्तक्षेप हो जाए। अगर एक बार इसकी शुरुआत हो गई तो वह इसे तिब्बत पर अपने वैध दावे की तरह पेश करेगा।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अरुणाचल प्रदेश की सीमा के निकट स्थित एक गांव के निवासियों को लिखे गए पत्र में जिन शब्दों का चयन किया है, उनका मकसद कुछ और है। उन्होंने इस बात पर खास जोर दिया है कि 'हाल के वर्षों में गांव में नए परिवर्तन हुए हैं और ग्रामीणों की आय में वृद्धि हुई है।' हमने 21 जून को प्रकाशित संपादकीय ('दमन और दुष्प्रचार का चीनी मॉडल') में लिखा था कि 'तिब्बत के गांवों में अपनी जड़ें जमाने के लिए चीन ने जो शिगूफा छोड़ा है, वह है– गरीबी उन्मूलन। वह हर महीने कुछ ग्रामीण महिलाओं को आगे लाकर उनके बारे में इस तरह प्रचार करता है कि 'पहले ये घोर गरीबी का सामना कर रही थीं ... जब से सरकार की मदद मिली है, इनके दिन ही फिर गए!' लोगों का देश हड़पकर उनकी गरीबी दूर करने का विचित्र फॉर्मूला चीन के पास है।' शी जिनपिंग द्वारा लिखा गया पत्र इन पंक्तियों की पुष्टि करता है। चीन अरुणाचल प्रदेश को दक्षिण तिब्बत का हिस्सा बताता है, जिसे भारत ने हमेशा दृढ़ता से खारिज किया है। अगर 'उस पार' किसी गांव में लोगों की कमाई बढ़ भी गई तो इससे क्या फायदा? चीन वहां की बौद्ध आबादी का दमन करता है। वह उनकी स्वतंत्रता का हनन करता है और धार्मिक मामलों में उसका हस्तक्षेप जारी है। उक्त गांव के निवासियों को पत्र लिखकर शी जिनपिंग ने एक नाटक किया है, जिसके पटकथा लेखक से लेकर अभिनेता, निर्माता और निर्देशक वे ही हैं। चीनी राष्ट्रपति दिखाना चाहते हैं कि उन्हें और सीसीपी को इस इलाके के लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है, क्योंकि यहां विकास कार्यों की वजह से खुशहाली आ गई है। चीनी मीडिया इस घटना का किसी चमत्कार की तरह प्रचार कर रहा है। बहुत कम लोगों को पता होगा कि चीन ने तिब्बती सीमावर्ती क्षेत्रों में कई कृत्रिम गांव बना रखे हैं, जिन्हें अपने झूठे प्रचार में मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जाता है। इस गांव को भी चीनी साजिश का हिस्सा बनाया जा रहा है, जिससे सावधान रहना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

67 किमी लंबा जयपुर–बांदीकुई लिंक एक्सप्रेसवे अब ट्रायल रन के लिए खुल गया है। दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे का हिस्सा, यह हाईटेक रोड जयपुर रिंग रोड से बांदीकुई को जोड़ता है। यह एक्सप्रेसवे जयपुर, दिल्ली, मुंबई, वडोदरा जैसे बड़े शहरों को जोड़ेगा।

–दीया कुमारी

भारतीय संस्कृति की विश्व में पताका लहराने वाले, अध्यात्म के महान साधक स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि पर कोटि–कोटि नमन। उन्होंने राष्ट्रीय जागरण का महती कार्य किया। भारतीय सभ्यता और संस्कृति की महानता से विश्व का परिचय करवाया।

–ओम बिरला

करौली जिले के हिंडौन क्षेत्र में बाढ़ गांव में महात्मा ज्योतिबा फुले एवं सावित्री बाई फुले की मूर्ति अनावरण एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुए। यहां सभी को बालक–बालिकाओं में बिना किसी भेदभाव के शिक्षा दिलवाने का संकल्प दिलाया।

–अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

पगडंडी

एक चौड़े रास्ते ने पास चलती पगडंडी से कहा – अरी पगडंडी, मेरे रहते मुझे तुम्हारा अस्तित्व अनावश्यक–सा जान पड़ता है। व्यर्थ ही तुम मेरे आगे–पीछे, जाल–सा बिछाए चलती हो! पगडंडी ने भोलेपन से कहा, नहीं जानती, तुम्हारे रहते लोग मुझ पर क्यों चलते हैं। एक के बाद एक दूसरा चला। और फिर, तीसरा, इस तरह मेरा जन्म ही अनायास और अकारण हुआ है! रास्ते ने दर्प के साथ कहा, मुझे तो लोगों ने बड़े यत्न ने बनाया है, मैं अनेक शहरों–गावों को जोड़ता चला जाता हूँ! पगडंडी आश्चय से सुन रही थी। सच? उसने कहा, मैं तो बहुत छोटी हूँ! तभी एक विशाल वाहन, घरघराकर रास्ते पर रुक गया। सामने पड़ी छोटी पुलिया के एक तरफ़ बोर्ड लगा था, बड़े वाहन सावधान! पुलिया कमज़ोर है। वाहन, एक भरी हुई यात्री–गाड़ी थी, जो पुलिया पर से नहीं जा सकती थी। पूरी गाड़ी खाली करवाई गई। लोग पगडंडी पर चल पड़े। पगडंडी, पुलिया वाले सूखे नाले से जाकर, फिर उसी रास्ते से मिलती थी। उस पार, फिर यात्रियों को बैठाकर गाड़ी चल दी। रास्ते ने एक गहरा नि:श्वास छोड़ा! री, पगडंडी! आज मैं समझा छोटी से छोटी वस्तु, वक्त आने पर मूल्यवान बन जाती है।

सामयिक

दलाई लामा के चयन पर चीन का साजिशपूर्ण हस्तक्षेप

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

तिब्बत के आध्यात्मिक नेता एवं वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो की उत्तराधिकार प्रक्रिया न केवल बौद्ध धर्म और तिब्बत की संस्कृति से जुड़ा विषय है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति, मानवाधिकार और भारत–चीन संबंधों के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। चीन द्वारा इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का प्रयास न केवल धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है, बल्कि यह वैश्विक जनमत की भी अवहेलना है। इन स्थितियों में उत्तराधिकार के मसले पर भारत की भूमिका एक निर्णायक मार्गदर्शक के रूप में उभरती है और इसे दृष्टि में रखते हुए भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसा करने में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं हैं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी।

चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, स्वर्ण कलश' प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उसे 'स्वर्ण कलश' प्रणाली के माध्यम से है, जो 1793 में किंग राजवंश के समय से चली आ रही है। इस प्रणाली में, संभावित उत्तराधिकारियों के नाम एक कलश में डाले जाते हैं और फिर एक नाम निकाला जाता है।

दलाई लामा केवल तिब्बत के धार्मिक नेता नहीं हैं, वे तिब्बती अस्मिता, स्वतंत्रता और आत्म–सम्मान के प्रतीक हैं। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, 1959 में चीन की दमनकारी नीतियों के कारण तिब्बत छोड़कर भारत आए और धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना हुई। भारत ने न केवल उन्हें शरण दी, बल्कि एक शांतिपूर्ण संघर्ष के पथप्रदर्शक के रूप में वैश्विक स्तर पर उनके विचारों को मंच भी प्रदान किया। वर्तमान दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी गाडेन फोडरंग ट्रस्ट को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन ने इस मसले में साजिशपूर्ण हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए। चीन दलाई लामा की उत्तराधिकार प्रक्रिया पर नियंत्रण चाहता है ताकि तिब्बती जनता को अपने ही धार्मिक नेता से अलग किया जा सके। 2007 में चीनी सरकार ने एक 'धार्मिक मामलों पर नियंत्रण कानून' लागू किया जिसके अंतर्गत दलाई लामा जैसे धार्मिक नेताओं की नियुक्ति भी राज्य की अनुमति से ही संभव बताई गई। यह न केवल बौद्ध धर्म के सिद्धांतों के विरुद्ध है, बल्कि यह तिब्बती जनता की आस्था और पहचान का गला घोंटने जैसा है।

वर्ष 1959 में जब दलाई लामा को कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं– चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है। चीन की योजना यह है कि जब वर्तमान दलाई लामा का देहांत हो, तो वह अपनी पसंद का एक 'दलाई लामा' घोषित करे, जिसे वैश्विक समुदाय भले ही स्वीकार न करे, लेकिन चीन उसकी पहचान को जबरन वैधता प्रदान करे। यह एक राजनीतिक कठपुतली खड़ी करने जैसा है, जिससे तिब्बत पर उसका शासन वैचारिक रूप से मजबूत हो सके। लेकिन भारत, जो दलाई लामा और तिब्बती निर्वासित समुदाय का स्वागत करता रहा है, अब उस नाजुक मोड़ पर है जहाँ केवल नैतिक समर्थन पर्याप्त नहीं होगा। चीन की विस्तारवादी नीति और आक्रामक कूटनीति को देखते हुए भारत को अपनी रणनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करनी होगी।

चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर वैश्विक राजनीति का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे। चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली–पेइचिंग के बीच तनाव का एक बड़ा कारण बनती रही है।

दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है– अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है।

धर्मशाला, जहाँ वर्तमान दलाई लामा रहते हैं, अब विश्व स्तर पर तिब्बती संस्कृति एवं बौद्ध परंपराओं का केंद्र बन गया है। भारत को इस केंद्र को आधिकारिक मान्यता देनी चाहिए और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर इस धार्मिक स्वतंत्रता के प्रश्न को उठाना चाहिए। अब जबकि दलाई लामा स्वयं कह चुके हैं कि उनके उत्तराधिकारी का चयन भारत में हो सकता है तो भारत सरकार को इस पर एक स्पष्ट नीति बनानी चाहिए कि वह चीन द्वारा घोषित किसी भी नकली' दलाई लामा या अनुचित हस्तक्षेप को मान्यता नहीं देगा। भारत को अमेरिका, जापान, यूरोपीय संघ जैसे लोकतांत्रिक देशों के साथ समन्वय स्थापित करके इस विषय पर वैश्विक समर्थन, कूटनीतिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय समन्वय तैयार करना चाहिए। अमेरिका भी पहले ही कह चुका है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी केवल तिब्बती परंपराओं के अनुसार चुना जाएगा। अमेरिका में तिब्बती बौद्धों की धार्मिक स्वायत्तता को लेकर डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी दोनों ही मुखर रही हैं। इतना ही नहीं अमेरिकी सरकार अगले दलाई लामा के चयन में चीन के दखल को भी अमान्य करार देती आई है।

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग की कमान में चीनी सेना लंबे समय तक तिब्बत पर कब्जे की कोशिश में जुटी रही। इसके खिलाफ जब दलाई लामा के नेतृत्व में तिब्बती बौद्धों ने आवाज उठाई तो चीनी सेना ने इसे बर्बरता से कुचल दिया। इसके बाद 1959 में चीन के तिब्बत पर कब्जा करने के बाद दलाई लामा तिब्बतियों के एक बड़े समूह के साथ भारत आ गए और यहां से ही तिब्बत की निर्वासित सरकार का संचालन करने लगे। तिब्बत में इस घटना ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। तब से दलाई लामा ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला को अपना घर बना लिया, जिससे बीजिंग नाराज हो गया और वहां उनकी उपस्थिति चीन और भारत के बीच विवाद का विषय बनी रही। भारत में बसे तिब्बती शरणार्थियों को शिक्षा, रोज़गार और यात्रा से संबंधित नागरिक अधिकार देने की दिशा में ठोस कदम उठाकर भारत उनके प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर सकता है। भारत में इस वक्त करीब 1 लाख से ज्यादा तिब्बती बौद्ध रहते हैं, जिन्हें पूरे देश में पढ़ाई और काम की स्वतंत्रता है। दलाई लामा को भारत में भी काफी सम्मान दिया जाता है।

दलाई लामा के उत्तराधिकारी का प्रश्न केवल एक व्यक्ति के चयन का विषय नहीं, बल्कि यह बौद्ध संस्कृति, तिब्बती आत्मनिर्णय और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा का सवाल है। चीन की तानाशाही मानसिकता इसे नियंत्रित करना चाहती है, जबकि भारत को इसकी स्वतंत्रता की रक्षा करनी है। भारत को इस धर्म–राजनीति के संघर्ष में विवेकपूर्ण, दृढ़, निर्णायक और न्यायोचित भूमिका निभाते हुए न केवल तिब्बती जनता का, बल्कि विश्व भर के धार्मिक अधिकारों का भी संरक्षक बनना चाहिए। यही भारत की वसुधैव कुटुम्बकम्' की नीति की सच्ची अभिव्यक्ति होगी।

नजरिया

चातुर्मास है अध्यात्म की फसल उगाने का अवसर

डॉ. योगभूषण महाराज
फोन : 9910000171

सृष्टि का चक्र अनवरत गतिशील है–गर्मी, वर्षा और शीत ऋतु इसका पर्याय हैं। इन्हीं ऋतुओं में से एक वर्षा ऋतु–न केवल पर्यावरणीय दृष्टि से, बल्कि आध्यात्मिक और धार्मिक जगत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जैन धर्म में इस अवधि को चातुर्मास या वर्षायोग कहा जाता है, जैन परम्परा में आषाढ़ी पूर्णिमा से कार्तिक पूर्णिमा तक का समय तथा वैदिक परम्परा में आषाढ़ से आसोज तक का समय चातुर्मास कहलाता है। इस दौरान दिगम्बर और श्वेताम्बर दोनों परंपराओं के मुनि स्थिर एक ही स्थान पर विराजमान रहते हैं। यह नियम प्राकृतिक कारणों से भी जुड़ा है–जैसे वर्षा ऋतु में जीव–जंतु अधिक उत्पन्न होते हैं, जिससे भ्रमण करने से अहिंसा का उल्लंघन हो सकता है। वास्तव में आज के व्यस्त, तनाव एवं हिंसाग्रस्त और भौतिकतावादी युग में चातुर्मास हमें आत्ममूल्यांकन और आंतरिक शांति की प्रेरणा देता है। यह समय पर्यावरणीय संतुलन, नैतिक जीवनशैली और आध्यात्मिक चिंतन की ओर समाज को मोड़ने में सक्षम है। यदि युवा वर्ग इसे आत्मसात करे, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है।

वास्तव में पुराने समय में वर्षाकाल पूरे समाज के लिए विश्राम काल बन जाता था किन्तु संन्यासियों, श्रावकों, भिक्षुओं आदि के संगठित संप्रदायों ने इसे साधना काल के रूप में विकसित किया। इसलिए वे निर्धारित नियमानुसार एक निश्चित तिथि को अपना वर्षावास या चातुर्मास शुरू करते थे और उसी तरह एक निश्चित तिथि को उसे समाप्त करते थे। धन–धान्य की अभिवृद्धि के कारण उपलब्धियों भरा यह समय स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार, आत्म–वैभव को पाने एवं अध्यात्म की फसल उगाने की दृष्टि से भी सर्वोत्तम माना गया है। इसका एक कारण यह है कि निरंतर पदयात्रा करने वाले जैन साधु–संत भी इस समय एक जगह स्थिर प्रवास करते हैं। उनकी प्रेरणा से धर्म जागरणा में वृद्धि होती है। जन–जन को सुखी, शांत और पवित्र जीवन की कला का प्रशिक्षण मिलता है। गृहस्थ को उनके सान्निध्य में आत्म उपासना का भी अपूर्व अवसर उपलब्ध होता है।

जैन धर्म एक अत्यंत अनुशासित और तपोमयी परंपरा है, जिसमें आत्मशुद्धि, अहिंसा, संयम और साधना को सर्वोपरि माना गया है। वर्षभर की विविध धार्मिक गतिविधियों में चातुर्मास का विशेष स्थान है। यह समय आत्मनिरीक्षण, तप, स्वाध्याय और

उपवास जैसी साधनाओं का काल है, जिसमें श्रावक और साधु–साध्वियाँ दोनों ही अपनी आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर होते हैं। श्रावक इस दौरान अधिक समय धर्म, पूजन, व्रत, स्वाध्याय और दान में लगाते हैं। यह आत्म–निरीक्षण और जीवन शैली को बदलने का काल बन जाता है। चातुर्मास में पर्युषण पर्व, दशलक्षण पर्व, अनंत चतुर्दशी जैसे पर्व आते हैं जो धर्म की गहराई को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। इस समय एकासन, उपवास, अनेक तरह के त्याग जैसे अनेक व्रतों का पालन किया जाता है। इससे आत्मिक बल और संयम में वृद्धि होती है। चातुर्मास में मुनियों के प्रवचनों के माध्यम से धर्म ग्रंथों की गूढ़ व्याख्या होती है, जिससे श्रद्धालु ज्ञान और विवेक के पथ पर आगे बढ़ते हैं। संयमित जीवन और वैराग्य की भावना इस काल में जागृत होती है, जिससे सांसारिक मोह कम होता है।

जैन चातुर्मास केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि आत्मिक उत्कर्ष की एक सुंदर प्रक्रिया है। यह काल हमें भीतर झाँकने, अपनी त्रुटियों को पहचानने और एक संतुलित, अहिंसात्मक जीवन की ओर बढ़ने का अवसर देता है। साधना और संयम की यह अनूठी परंपरा न केवल जैन समाज को बल्कि सम्पूर्ण मानवता को आध्यात्मिक दिशा देने की सामर्थ्य रखती है। चातुर्मास धार्मिक संस्कृति की आत्मा है। यह काल समाज को एक साथ जोड़ता है–सामूहिक साधना, संयम और सेवा की भावना को पोषित करता है। संतों की सेवा, रोगी–वृद्ध मुनियों की देखभाल, आहार–विहार की व्यवस्था, सत्संग और स्वाध्याय में सहयोग देना–ये सभी कार्य श्रावकों के लिए धर्म का अंग बन जाते हैं। चातुर्मास न केवल तपस्वियों के जीवन का अमृतकाल है, अपितु पूरे समाज के लिए जागृति और नवचेतना का समय है। यह चार महीने धर्म के बीज को बोने, सेवा का जल सींचने, संयम की धूप में तपाने और श्रद्धा के वृक्ष को विकसित करने का सर्वोत्तम काल है। जब मन, वचन और काया तीनों पवित्र हों–तभी चातुर्मास सफल होता है। अपेक्षा है कि सभी संकल्प करें– इस चातुर्मास को केवल परंपरा के निर्वाह के रूप में नहीं, बल्कि आत्मिक विकास और सामाजिक समर्पण के माध्यम के रूप में अपनाएं।

हिन्दू धर्म में देवशयनी एकादशी से ही चातुर्मास की शुरुआत होती है जो कार्तिक के देव प्रबोधिनी एकादशी तक चलती है, इस समय में श्री हरि विष्णु योगनिद्रा में लीन रहते हैं इसलिए किसी भी शुभ कार्य को करने की मनाही होती है। इसी अवधि में ही आषाढ़ के महीने में भगवान विष्णु ने वामन रूप में अवतार लिया था और राजा बलि से तीन पग में सारी सृष्टी दान में ले ली थी। उन्होंने राजा बलि को उसके पाताल लोक की रक्षा करने का वचन दिया था। फलस्वरूप श्री हरि अपने समस्त स्वरूपों से राजा बलि के राज्य की पहरेदारी करते हैं। इस अवस्था में कहा जाता है कि भगवान विष्णु निद्रा में चले जाते हैं। यों तो हर व्यक्ति को जीने के लिये तीन सौ पैंसठ दिन हर वर्ष मिलते हैं, लेकिन उनमें वर्षावास की यह अवधि हमें जागते मन से जीने को प्रेरित करती है, यह अवधि चरित्र निर्माण की चौकसी का आव्हान करती है ताकि कहीं कोई कदम गलत न उठ जाये। यह अवधि एक ऐसा मौसम और माहौल देती है जिसमें हम अपने मन को इतना मांज लेने को अग्रसर होते हैं कि समय का हर पल जागृति के साथ जीया जा सके। संतों के लिये यह अवधि ज्ञान–योग, ध्यान–योग और स्वाध्याय–योग के साथ आत्मा में अवस्थित होने का दुर्लभ अवसर है। वे इसका पूरा–पूरा लाभ लेने के लिये तत्पर होते हैं। वे चातुर्मास प्रवास में अध्यात्म की ऊंचाइयों का स्पर्श करते हैं, वे आधि, व्याधि, उपाधि की चिकित्सा कर समाधि तक पहुंचने की साधना करते हैं। वे आत्म–कल्याण ही नहीं पर–कल्याण के लिये भी उत्सुक होते हैं। यही कारण है कि श्रावक समाज भी उनसे नई जीवन दृष्टि प्राप्त करता है। स्वस्थ जीवनशैली का निर्धारण करता है। संतों के अध्यात्म एवं शुद्धता से अनुप्राणित आभामंडल समूचे वातावरण को शांति, ज्योति और आनंद के परमाणुओं से भर देता है। इससे जीवन–रूपी सारे रास्ते उजालों से भर जाते हैं। लोक चेतना शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक तनावों से मुक्त हो जाती है। उसे द्वंद्व एवं दुविधाओं से त्राण मिलता है। भावनात्मक स्वास्थ्य उपलब्ध होता है।

वर्षावास में सभी श्रद्धालु आत्मा से परमात्मा की ओर, वासना से उपासना की ओर, अहं से अर्हम की ओर, आसक्ति से अनासक्ति की ओर, भोग से योग की ओर, हिंसा से अहिंसा की ओर, बाहर से भीतर की ओर आने का प्रयास करते हैं। वह क्षेत्र सौभाग्यशाली माना जाता है, जहां साधु–साध्वियों का चातुर्मास होता है। उनके सान्निध्य का अर्थ है–बाहरी के साथ–साथ आंतरिक बदलाव घटित होना। जीवन को सकारात्मक दिशाएं देने के लिये चातुर्मास एक सशक्त माध्यम है। यह आत्म–निरीक्षण का अनुष्ठान है। चातुर्मास संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर है। चातुर्मास का महत्व शांति और सौहार्द की स्थापना के साथ–साथ भौतिक उपलब्धियों के लिये भी महत्वपूर्ण माना गया है। इतिहास में ऐसे अनेक प्रसंग हैं, जहां चातुर्मास या वर्षावास और उनमें संतों की गहन साधना से अनेक चमत्कार घटित हुए हैं। जिस क्षेत्र की स्थिति विषम हो। जनता विग्रह, अशांति, अराजकता या अत्याचारी शासक की क्रूरता की शिकार हो, उस समस्या के समाधान हेतु शांति और समता के प्रतीक साधु–साध्वियों का चातुर्मास वहां करवाया जाकर परिवर्तन को घटित होते हुए देखा गया है। क्योंकि संत वस्तुतः वही होता है जो औरों को शांति प्रदान करे। जरूरत है इस सांस्कृतिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाने की। ऐसी परम्पराओं पर हमें गर्व और गौरव होना चाहिए कि जहां जीवन की हर सुबह सफलताओं की धूप बांटें और हर शाम चारित्र धर्म की आराधना के नये आयाम उद्घाटित करें। क्योंकि यही अहिंसा, शांति और सह–अस्तित्व की त्रिपथगा सत्यं, शिवं, सुंदरम का निनाद करती हुई समाज की उर्वरा में ज्योति की फसलें उगाती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

नीरज चोपड़ा क्लासिक : दो बार के ओलंपिक पदक विजेता को भारत में भाला फेंक क्रांति की उम्मीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तीन ओलंपिक भाला फेंक पदक विजेताओं नीरज चोपड़ा, थॉमस रोहलर और जूलियस येगो के साथ बैठे हुए सचिन यादव काफी उत्साहित दिख रहे थे लेकिन चमचमाते मंच पर देश के स्टार की मौजूदगी ही काफी अहमियत रखती है। यह चोपड़ा के उस ख्वाब की ताबीर है जिसमें वह भाला फेंक को पूरे देश में हर घर तक पहुंचाना चाहते हैं। इस लिहाज से शनिवार को होने वाली नीरज चोपड़ा क्लासिक भारत में मोंडो क्लासिक के बराबर हो सकती है जो विश्व रिकॉर्डधारी और ओलंपिक चैंपियन अर्मांडो डुप्लांटिस द्वारा स्वीडन में अपने गृहनगर उप्साला में होने वाला पोल वॉल्ट टूर्नामेंट है।

डुप्लांटिस अपने ही विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने की इच्छा से प्रेरित रहते हैं और अभी तक 15 दफा ऐसा कर चुके हैं। लेकिन चोपड़ा की महत्वकांक्षा इससे बड़ी है। चोपड़ा भारतीय भाला फेंक खिलाड़ियों की अगली पीढी को प्रेरित करने के अपने विचार पर बात करते हुए भावुक हो गए और उन्होंने कहा, ''सबसे पहले मैं जूलियस, थॉमस और भारत के सभी लोगों को दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। सभी मेरे अच्छे दोस्त हैं और यहां आने के लिए आपका शुक्रिया। आखिरकार हम इतने महान भाला फेंक खिलाड़ियों के साथ यहां बैठे हैं। मैं

बहुत खुश हूं कि भारत में इस तरह की प्रतियोगिता आयोजित हो रही है।'' उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि मेजबान देश का प्रतिनिधित्व भी अच्छा रहे जिससे उनके और एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता सचिन के अलावा रोहित यादव, साहिल सिल्वाल और यशवीर सिंह इसमें खेलेंगे।

ये सभी युवा भारतीय भाला फेंक एथलीट जर्मनी के 2016 ओलंपिक पदक विजेता रोहलर से आंतरिक रूप से जुड़े हुए हैं क्योंकि उन्होंने उनके लोकप्रिय यूट्यूब चैनल से काफी गुर सीखे हैं। रोहलर ने कहा कि उभरती हुई प्रतिभाओं से अपने अनुभव और जानकारी साझा करना उनका कर्तव्य है।

उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा ही जानकारी साझा करना पसंद करता हूं क्योंकि तभी मैं खेल में छाप छोड़ सकता हूं। मेरे लिए दूरी, पदक और ये सभी चीजें बस कागज पर लिखे नंबर हैं। मैं खेल में छाप छोड़ सकता हूं। इसलिये मुझे प्रतिभाओं से बात करने में हिचक नहीं होती। मैं खुश हूं कि मैं इनमें से कईयों के लिए प्रेरणास्रोत बन सकता हूं।'' चोपड़ा को अपने प्रयासों की बदौलत सहयोग मिलना भी शुरू हो गया है और काफी प्रायोजक इन टूर्नामेंट का प्रायोजन करने के इच्छुक हैं।

नीरज चोपड़ा क्लासिक को जेएसडब्ल्यू और बीपीसीएल का समर्थन मिला है। चोपड़ा ने कहा, ''हां, प्रायोजक बढ़ रहे हैं। मुझे लगता है कि जेएसडब्ल्यू, रिलायंस और अन्य निजी कंपनिया अब व्यक्तिगत खिलाड़ियों का समर्थन कर रही हैं जो पहले नहीं हो रहा था।'' उन्होंने कहा, ''खिलाड़ियों को विदेश में प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिल रहा है। सरकार की नीति से भी खिलाड़ियों को अच्छी मदद मिल रही है।''

'दपरे' के महाप्रबंधक ने बिरुर-तालगुप्पा खंड का निरीक्षण किया

स्टेशन पुनर्विकास और कर्मचारी कल्याण पहल की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण-पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने बिरुर और तालगुप्पा के बीच निरीक्षण किया, ताकि खंड पर सुरक्षा और परिचालन संबंधी प्रमुख मापदंडों का मूल्यांकन किया जा सके। निरीक्षण का उद्देश्य चल रहे बुनियादी ढांचे के कार्यों, स्टेशन पुनर्विकास परियोजनाओं और यात्री सुविधा संवर्द्धन की प्रगति की समीक्षा करना था। निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक ने शिवमोग्गा टाउन रेलवे स्टेशन का दौरा किया, जहां उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के तहत चल रहे पुनर्विकास की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन की सुंदरता और यात्री सुविधाओं में किए जा रहे सुधारों का आकलन किया। स्टेशन पर, श्री माथुर ने ट्रैक मेंटेनर्स से भी बातचीत की, उनकी परिचालन चुनौतियों पर ध्यान दिया और उन्हें काम करने की स्थिति में सुधार के लिए उचित समर्थन का आश्वासन दिया।

रास्ते में, माथुर ने कोटेगंगुरु में कोचिंग डिपो का निरीक्षण किया, जहां क्षेत्र में बढ़ती कोचिंग मांगों को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचे के उन्नयन का काम चल रहा है। उन्होंने अरसालु रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं और विकासात्मक पहलों की भी समीक्षा की। इस यात्रा का मुख्य आकर्षण महाप्रबंधक का आरासालू स्टेशन पर स्थित मालगुडी डेज़ म्यूजियम में रुकना था। यह म्यूजियम, आरके नारायण की साहित्यिक कृति और शंकर नाग द्वारा इसके प्रतिष्ठित टेलीविजन रूपांतरण के प्रति एक उदासीन श्रद्धांजलि है, जो काल्पनिक शहर मालगुडी की स्थायी भावना को दर्शाता है। माथुर ने इस अद्वितीय सांस्कृतिक आकर्षण को संरक्षित करने के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की, जो रेल यात्रियों और साहित्य प्रेमियों की रुचि को आकर्षित करता रहता है। इस खंड के टर्मिनल स्टेशन तालगुप्पा में, महाप्रबंधक ने एबीएसएस के तहत स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की, निष्पादन की गुणवत्ता और गति की जांच की। उन्होंने स्टेशन पर पॉइंट्समैन से भी बातचीत की, उनकी चिंताओं को सुना और उन्हें कर्मचारियों के कल्याण और परिचालन चुनौतियों का समाधान करने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान माथुर के साथ मैसूरु डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर मुदित मित्तल, मुख्य अभियंता (निर्माण) प्रदीप पुरी और मैसूरु डिवीजन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

लांच

लखनऊ के एक सिनेमा हॉल में शुक्रवार को अभिनेता राजकुमार राव और मानुषी छिल्लर 'मालिक' के ट्रैक लॉन्च में शामिल हुए।

पश्चिम में मेरा काम शुरुआती दौर में : प्रियंका चोपड़ा

लंदन/भाषा। बॉलीवुड में शानदार करियर के बाद अब पश्चिम में अपने फिल्मी सफर को विस्तार देने पर केंद्रित कर रहीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनास ने कहा है कि सफलता एक निरंतर विकास की प्रक्रिया है।

अपनी नवीनतम हॉलीवुड फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट में प्रियंका ने एमआई6 एजेंट नोएल बिसेट की भूमिका निभाई है जिसका अतीत ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सैम क्लार्क (इड्रिस अल्बा) से जुड़ा है। फिल्म में जब सैम और नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति विल डेरिंगर (अभिनेता जॉन सीना) पर नाटो सम्मेलन से पहले हमला होता है, तो बिसेट को उनकी सुरक्षा का जिम्मा सौंपा जाता है। पूर्व मिस वर्ल्ड प्रियंका ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत द हीरो: लव स्टोरी ऑफ ए स्पाई से की और वह बॉलीवुड की शीर्ष अभिनेत्री के रूप में उभरीं। प्रियंका ने कहा कि भारत में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है और वह हॉलीवुड में भी अपने काम में कुछ ऐसा ही करने की उम्मीद कर रही हैं।

प्रियंका ने यहां 'पीटीआई' को दिए साक्षात्कार में कहा, यह निस्संदेह एक निरंतर विकास की यात्रा है। जब मैंने 2002 में अपनी पहली फिल्म की थी, तब मैंने कभी सोचा नहीं था कि एक दिन में यहां पर पहुंचूंगी।

लेकिन पश्चिम में मेरा काम अभी शुरुआती दौर में है। भारत में मेरा एस समृद्ध फिल्मी सफर रहा है, जहां मैने अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाई हैं और बेहतरीन कलाकारों व फिल्मकारों के साथ काम करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा, इसलिए मैं अंग्रेजी भाषा की फिल्मों में भी अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाना चाहती हूं। मुझे लगता है कि अभी बहुत कुछ करना है, बहुत कुछ तलाशना है और मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि आगे क्या होगा। उन्होंने कहा, मैं अपने किये काम पर गर्व करना चाहती हूँ। मैं ऐसी भूमिकाएं निभाने की कोशिश करती हूँ जिनमें क्षमता हो, जो मजबूत हों और जिनका फिल्म में कोई मकसद हो, न कि वे केवल सजावटी हों।

धार्मिक नगरी के साथ आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में भी उभर रही है अयोध्या

अयोध्या (उप्र)/भाषा। भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या न केवल धार्मिक महत्व की प्रतीक बनी हुई है, बल्कि यह एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में भी उभर रही है। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया कि उत्तर प्रदेश की पावन नगरी अयोध्या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार में न केवल धार्मिक महत्व की प्रतीक बनी है, बल्कि एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में भी उभर रही है।

श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर के निर्माण के साथ ही अयोध्या को विश्वस्तरीय पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है। इसी कड़ी में सरयू नदी के तट पर बन रहा ''सरयू रिवर फ्रंट'' अयोध्या की खूबसूरती और सुविधाओं को और बढ़ाने जा रहा है। यह 'रिवर फ्रंट' श्रीराम मंदिर से जुड़कर पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए एक अनूठा अनुभव प्रदान करेगा।

उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग द्वारा लगभग 23.46 करोड़ रुपए की लागत से 'सरयू रिवर फ्रंट' का निर्माण कराया जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य अयोध्या को एक ऐसी नगरी के रूप में स्थापित करना है, जहां श्रद्धालु और पर्यटक दोनों ही आध्यात्मिक और सौंदर्यपूर्ण अनुभव प्राप्त कर सकें।

'सरयू रिवर फ्रंट' के निर्माण कार्य में तेजी लाई गई है, जिसमें सीढ़ियों पर पत्थर लगाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। यहां कार्य प्रगति पर है। सरयू रिवर फ्रंट पर श्रद्धालु सरयू नदी में स्नान के साथ-साथ ध्यान, योग और अन्य आध्यात्मिक गतिविधियों में हिस्सा ले सकेंगे।

अयोध्या के जिलाधिकारी (डीएम) निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि रिवर फ्रंट का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और तय लक्ष्य के अनुरूप इसे तैयार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जल्द ही यह पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा।

इसमें शिलालेख एवं 100 मीटर घाट की सीढ़ियों पर पत्थर लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा अयोध्या में अन्य पर्यटन सुविधाओं जैसे होटल, अतिथि गृह और परिवहन व्यवस्था को भी बेहतर किया जा रहा है।

कोच्चि में शुक्रवार को ग्रीट्स पब्लिक स्कूल में ऑल केरल इंटरस्कूल डांस फेस्टिवल के दौरान छात्र प्रस्तुति देते हुए।

देवोलिना ने मां कामाख्या देवी के किए दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी इन दिनों असम के धार्मिक स्थलों के दौरे पर हैं। भीमाशंकर धाम के दर्शन के बाद वह पति और बेटे के साथ मां कामाख्या देवी मंदिर पहुंचीं। देवोलीना ने अपने फैंस के साथ इन अनमोल और आध्यात्मिक पलों को साझा किया है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनमें वह पारंपरिक परिधान 'चादर मेखला' पहने हुए हैं। माथे पर सिंदूर लगाए अपने पति और बेटे 'जॉय' के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में उनकी भक्ति और खुशी साफ झलक रही है। देवोलीना ने कैप्शन में लिखा, गुवाहाटी के प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर में एक दिव्य दिन, भारत के सबसे शक्तिशाली मंदिरों में से एक, जो मां कामाख्या को समर्पित है। मैं परिवार के साथ इस आध्यात्मिक क्षण के लिए आभारी हूं।

उनके इस पोस्ट ने यूजर्स का दिल जीत लिया। वहीं, कई यूजर्स उन्हें जय मां कामाख्या लिख रहे हैं, तो कोई 'हार्ट इमोजी' भेज रहे हैं। अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। इससे पहले वह अपने पति और बेटे 'जॉय' के साथ गुवाहाटी के भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग गई थी, जहां उन्होंने बाबा भोलेनाथ के दर्शन किए। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वहां की तस्वीरें शेयर की थी, जिसमें वह माथे पर पीले रंग का चंदन लगाए बेटे और पति संग पोज देते नजर आईं। कैप्शन में लिखा, गुवाहाटी में प्रकृति की गोद में बसे भगवान शिव के मंदिर भीमाशंकर धाम की यात्रा करके धन्य हो गई।

ये पवित्र ज्योतिर्लिंग न केवल एक आध्यात्मिक खजाना है, बल्कि हमारे आसपास की एनर्जी की याद भी दिलाता है। आस्था, शांति और भक्ति के बीच परिवार के साथ पल बिताए, बहुत आभारी हूं। देवोलीना दिसंबर 2022 में जिम ट्रेनर शाहनवाज के साथ शादी के बंधन में बंधी थीं। वर्कफ्रंट की बात करें, तो देवोलिना ने 2011 में शो 'सांवरे सबके सपने प्रीतो' से अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 'साथ निभाना साथिया', 'लाल इश्क', 'साथ निभाना साथिया 2', और 'दिल दियां गल्लां' जैसे शो में काम कर चुकी हैं। अभिनेत्री 'बिग बॉस 13', 'बिग बॉस 14', 'बिग बॉस 15', और 'डांस इंडिया डांस 2' में भी हिस्सा ले चुकी हैं।

'हरि हर वीरा मल्लू' के ट्रेलर को देख खुशी से फूले न समाए पवन कल्याण

चेन्नई/एजेन्सी

निर्देशक ए. एम. ज्योति कृष्णा की आने वाली पीरियड फिल्म 'हरि हर वीरा मल्लू' के मेकर्स ने एक वीडियो क्लिप जारी की। इस वीडियो में अभिनेता पवन कल्याण फिल्म का ट्रेलर देख रहे हैं और फिर निर्देशक की तारीफ करते हुए नजर आ रहे हैं। फिल्ममेकर्स ने एक्स पर इस वीडियो को शेयर किया। वीडियो में पहले पवन कल्याण पहले ट्रेलर का आनंद लेते हुए दिख रहे हैं। वह ट्रेलर देखकर इतने उत्साहित हो उठते हैं कि निर्देशक ए. एम. ज्यातिे कृष्णा को गले लगा लेते हैं और कहते हैं, 'आपने सच में बहुत मेहनत की है।'' इस वीडियो को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, यह एक जबरदस्त प्रतिक्रिया है। पवन कल्याण ने ट्रेलर देखा और वह भी अपने उत्साह को रोक नहीं पाए। उनकी जबरदस्त प्रतिक्रिया ने माहौल बना दिया है। अब आने वाले दिन बेहद खास होने वाले हैं।

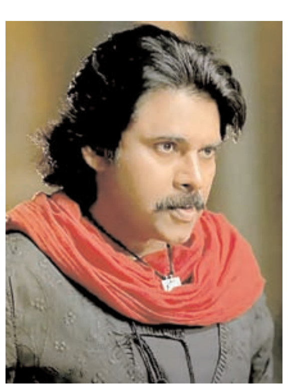

बता दें कि फिल्म को लेकर निर्देशक ज्योति कृष्णा ने पहले आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया था कि इस बड़ी फिल्म पर दुनिया भर की 25 से ज्यादा वीएफएक्स कंपनियों ने काम किया है। आईएएनएस से बात करते हुए ज्योति कृष्णा ने बताया था, हमारे पास दुबई, ईरान, अमेरिका, ब्रिटेन, सिंगापुर और कनाडा सहित कई टीमें थीं, जो फिल्म के वीएफएक्स पर काम कर रही थीं। इसके अलावा, भारत में भी कई टीमें थीं जो इस फिल्म पर काम कर रही थीं। हमारे पास चेन्नई, हैदराबाद, बैंगलोर और मुंबई जैसे शहरों में भी टीमें थीं। कुल मिलाकर 25 कंपनियों ने फिल्म के वीएफएक्स पर काम किया।

ज्योति कृष्णा ने बताया कि उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग 200 दिनों में पूरी की। इस पीरियड फिल्म में निधि अग्रवाल हीरोइन हैं और बॉलीवुड के स्टार बॉबी देओल ने औरंगजेब का किरदार निभाया है। वहीं पवन कल्याण एक ऐसे चोर का किरदार निभा रहे हैं जो रॉबिनहुड की तरह है। बता दें कि 'हरि हर वीरा मल्लू: पार्ट 1- स्वॉर्ड वर्सेस स्पिरिट' पहले 12 जून को रिलीज होने वाली थी। अब 24 जुलाई को रिलीज होगी। फिल्म में पवन कल्याण, निधि अग्रवाल और बॉबी देओल के अलावा, सत्या राज, थलाइवासल विजय, रघु बाबू, सुब्बाराजू और सुनील जैसे कई और कलाकार भी नजर आएंगे।

पूजा भट्ट नए पॉडकास्ट के जरिए बताएंगी इंडस्ट्री के सुने-अनसुने किस्से

मुंबई/एजेन्सी

पूजा भट्ट आईहार्टपॉडकास्ट पर एक नए शो में अपने जीवन के उतार-चढ़ाव को शेयर करेंगी। अभिनेत्री और फिल्म निर्माता पूजा भट्ट ने कहा कि वह इस पॉडकास्ट के जरिए अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल यात्रा के बारे में खुलकर बात करने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि दर्शक इससे जुड़ेंगे और प्रेरित भी होंगे। भट्ट ने कहा, मैं आईहार्टमीडिया के साथ साझेदारी कर 'द पूजा भट्ट शो' लॉन्च करने को लेकर बहुत खुश हूं। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कई प्रेरणादायक कहानियां हैं। मैं इस शो के जरिए उन लोगों पर प्रकाश डालना चाहती हूं जो हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। अभिनेताओं से लेकर निर्देशकों तक, संगीतकारों से लेकर निर्माताओं और स्टाइलिस्टों तक...मैं अपनी जर्नी के उतार-चढ़ाव और लोगों की कहानियों को साझा करने को इच्छुक हूं, ये वो लोग हैं जिन्होंने मुझे प्रेरित किया।

आईहार्टपॉडकास्ट के अध्यक्ष विल पियर्सन ने कहा, पूजा भारतीय क्रिएटिव दुनिया की एक सच्ची हस्ती हैं, और हमें उम्मीद है कि वह इस लाइनअप में रोमांचक और मजेदार नजरिया पेश करेंगी।

'रामायण' का हिस्सा बनने पर गर्व है : सनी देओल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल ने डायरेक्टर नितेश तिवारी की आने वाली बड़ी फिल्म 'रामायण' में अपने किरदार भगवान हनुमान को लेकर अपने विचार और अनुभव साझा किए हैं। सनी ने फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है कि वह ऐसी कहानी का हिस्सा बन रहे हैं, जिसने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया है। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पहला प्रोमो वीडियो शेयर करते हुए लिखा, मुझे गर्व है कि मैं इस कहानी का हिस्सा हूं, जिसने कई पीढ़ियों को बनाया है। स्वागत है नमित मल्होत्रा की 'रामायण' की दुनिया में, जो राम बनाम रावण की अमर कहानी है। मैं आभारी हूं कि मुझे इस रास्ते पर चलने और आप सबके साथ इसे साझा करने का मौका मिला।

उन्होंने लिखा, आइए इस खास पल को मिलकर मनाएं और साथ में 'वर्ल्ड ऑफ रामायणा' की दुनिया में कदम रखें। यह हमारी सचाई है। हमारा इतिहास है। बता दें कि गुरुवार को मेकर्स ने 'रामायण' का प्रोमो वीडियो शेयर किया, जिसमें रावण के अवतार में 'केजीएफ' फेम सुपरस्टार यश की झलक देखने को मिली। वीडियो की शुरुआत भगवान ब्रह्मा, विष्णु और शिव के शक्तिशाली चित्रण से होती है, जो पूरे ब्रह्मांड को चलाते हैं। फिर एनिमेशन के जरिए मुख्य पात्रों को दिखाया जाता है : भगवान श्रीराम के रूप में रणबीर कपूर, माता सीता के किरदार में साई पल्लवी और रावण की भूमिका में यश।

इस प्रोमो वीडियो को शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, दस साल की मेहनत और लगन के बाद, हमने दुनिया के सामने सबसे महान महाकाव्य 'रामायण' को लाने का सपना पूरा किया है। इस फिल्म को बनाने में दुनिया के बेहतरीन लोगों ने मिलकर काम किया है, ताकि रामायण को आदर और सम्मान के साथ दिखाया जा सके। आपका स्वागत है आइए मिलकर राम बनाम रावण की अमर कहानी का जश्न मनाएं। फिल्म में लक्ष्मण का रोल रवि दुबे निभा रहे हैं और सनी देओल भगवान हनुमान के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, रकुल प्रीत सिंह 'शूर्पणखा' के रोल में हैं। काजल अग्रवाल 'मंदोदरी' और लारा दत्ता 'कैकई' की भूमिका निभाएंगी। अरुण गोविल इसमें राजा दशरथ बने हैं।

फिल्म सिर्फ एक भाग में नहीं, बल्कि दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला भाग दिवाली 2026 में आएगा और दूसरा भाग 2027 की दिवाली पर रिलीज होगा। 'रामायण' को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज और आठ बार ऑस्कर जीत चुके वीएफएक्स स्टूडियो डीएनईजी प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में रावण का किरदार निभाने के साथ-साथ यश सह-निर्माता भी हैं। फिल्म करीब 835 करोड़ रुपए के बजट से तैयार हुई है, जिससे यह अब तक की सबसे महंगी भारतीय फिल्म मानी जा रही है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है और सभी बेसब्री से इसके रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

विषयानुराग को घटाकर धर्मानुराग को बढ़ाने का अवसर है चातुर्मास : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम में लॉयड्स रोड स्थित छाजेड़ भवन में युवामनीषी संतश्री कपिल मुनिजी म.सा. ने श्री जैन संघ के तत्वावधान में शुक्रवार को सुबह 9.30 बजे विशाल जनमेदनी के साथ चातुर्मासार्थ प्रवेश किया। मुनि श्री ने लॉयड्स रोड स्थित अमरचंद अशोक कुमार छाजेड़ के निवास स्थान से शोभा यात्रा के रूप में प्रस्थान किया।

मुनि श्री की यह प्रवेश यात्रा शहर के मुख्य मार्गों से गुजरती हुई लॉयड्स रोड स्थित छाजेड़ भवन में पहुंचते ही धर्म सभा में तब्दील हो गयी। जहाँ संघ के संरक्षक सुभाषचंद रांका, सुनील भड़कतिया, संयोजक विजयकुमार कोठारी, अशोक रांका, शांतिलाल सकलेचा नवरत्न आच्छा अशोक छाजेड़, सूरज छाजेड़ ने गुरुदेवश्री की अगवानी करके स्वागत किया। सर्वप्रथम मुनि श्री ने नवकार मन्त्र है महामंत्र प्रार्थना से पञ्च परमेष्ठी की स्तुति का संगान किया जिसका उपस्थित जन समुदाय ने समवेत स्वरों में उच्चारित करके माहौल में भक्ति रस घोल दिया। इस मौके पर क्रांतिकारी संत श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने अपने उद्बोधन में कहा कि चातुर्मास एक अवसर है अपनी प्रवृति को संयमित और सीमित करने का।

चातुर्मास प्रवेश में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

मुनिश्री ने कहा कि इस अवसर पर मुझे और आपको क्या करना चाहिए? धर्म प्रभावना करना ही चातुर्मास का ध्येय है। सही मायने में धर्म प्रभावना तभी होगी जब हम अपनी आत्मा को जप तप की साधना से प्रभावी बनाने का प्रयत्न करेंगे। और रत्नत्रय (ज्ञान, दर्शन, चारित्र) के तेज से आत्मा को निखार कर दान शील और तप की साधना से धर्म की महिमा को बढ़ायेंगे। मुनिश्री ने आगे कहा कि पुण्य की प्रबलता से ही संत समागम और जिनवाणी श्रवण का दुर्लभतम संयोग प्राप्त होता है। इस संयोग का हमें उपयोग करने की कला को विकसित करना चाहिए। इस योग का सही उपयोग तभी हो सकेगा जब हम अपने भीतर श्रद्धा की लौ प्रज्वलित करेंगे। श्रद्धा के बल पर ही कोई इंसान गुरु के वचन को गुरु प्रसाद के रूप में स्वीकार करता है। और जीवन को दिव्यता और भव्यता का रूप प्रदान करता है।

संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने चातुर्मास का लाभ प्रदान करने के लिए मुनि श्री के प्रति आभार प्रकट किया और सभी सदस्यों से इसका लाभ लेने हेतु आग्रह पूर्ण निवेदन किया। गुरुदेवश्री के इस प्रवेश कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए जैन कॉन्फ्रेंस नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष आनंदमल छल्लाणी जैन कॉन्फ्रेंस तमिलनाडु शाखा के अध्यक्ष धर्मीचंद तालेड़ा, हैदराबाद से सुरेशचंद कटारिया, मनीष आंचलिया, किशोर कटारिया, ललित धारीवाल, सुरेशचंद छल्लानी, गौतमचंद धारीवाल, प्रकाशचंद ओस्तवाल, मैलापुर संघ के अध्यक्ष शांतिलाल चोरडिया, मंत्री विमलचंद खाबिया, प्रतापचंद बैद, एम सी रोड संघ के अध्यक्ष शिखर चंद बेताला, माम्बलम संघ के अध्यक्ष डॉ उत्तमचंद गोठी, वड़पलनी के अध्यक्ष प्रकाशचंद बोहरा, देवीचंद बरलोटा, रिखबचंद बोहरा, भागचंद बरडिया, प्रकाशचंद खारीवाल,सी. महावीर भण्डारी, हुक्मीचंद कोठारी,किशोर धोका, धर्मीचंद कोठारी, रिखबचंद लोढ़ा, देवीचंद गांधी, रामचंद डंक, वईसराज रांका, मीठालाल पगारिया,महावीर चंद कटारिया, महेन्द्र कुमार बैद, आलोक गोलेछा, जवाहरलाल नाहर, प्रकाशचंद खारीवाल, नीलम चंद छाजेड़,अशोक कांकरिया राजेन्द्र कुमार बोहरा, गौतमचंद कटारिया,प्रकाशचंद ललवानी, ललित सांखला, सुरेशचंद ललवानी, किशनलाल खाबिया, मदनलाल गुंदेचा, विनय चंद पावेचा, रूपचंद खिंवसरा, गौतमचंद ललवानी, सुनील लुंकड, आदर्श चौधरी, देवराज खाबिया, स्वरूपचंद झामड, प्रसन्नचंद सकलेचा, रमेशकुमार खींवसरा, हंसराज-ललित कांठेड, ललित मकाणा, दीपचंद कोठारी, प्रकाशचंद कोठारी, विजयराज सुराणा,गौतमचंद गुगलिया, कमल छाजेड़,आनंद चुत्तर,राजेश तातेड़, कोड़म्बाक्कम वडपलनी विहार सेवा ग्रुप, जैन संस्कार मंच, अरिहंत देव ग्रुप आदि गणमान्य व्यक्ति सहित हैदराबाद बेंगलूरु, अरक्कोणम, आदि क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संघमंत्री राजकुमार कोठारी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में जैन युवक संघ, महिला मंडल की सक्रिय भूमिका रही।

माँ दधिमती सेवा धाम में सातवां पाट उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट स्थित माँ दधिमती सेवा धाम में सातवां पाट उत्सव मनाया गया। जिसमें सुबह माँ दधिमती का दुग्धाभिषेक साथ आरम्भ हुआ। तत्पश्चात् मातारानी का कुंमकुम से अभिषेक, श्रृंगार एवं महाआरती हुई। दोपहर दधिमती महिला मंडल द्वारा माँ दधिमती का मंगल पाठ हुआ। माता रानी को महिला मंडल द्वारा चुनरी ओढ़ाई गई। संध्या आरती एवं प्रसादी के साथ संपन्न हुआ। महोत्सव में चेन्नई के विभिन्न इलाकों से भक्तों ने भाग लिया। महोत्सव में सेवा धाम के न्यासी, रघुनाथ हिंसोड़िया, वेंकटेश दाहिमा, लक्ष्मीनारायण ककाड़ा, अध्यक्ष विनोद व्यास,सहित कमल तिवारी, मुकेश पलोड, गिरधारी सूँटवाल, सुरेंद्र इंटोडिया, कमल जोशी, राजीव त्रिवेदी, गोविंद तिवारी समेत अन्य श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

अभा नानक प्राज्ञ संघ के राष्ट्रीय चैयरमेन का हुआ स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अ.भा.नानक प्राज्ञ संघ के राष्ट्रीय चैयरमेन उम्मेद सिंह नाबेडा के प्रथम बार यहां के उपनगर मायावरम पहुंचने पर संघ के तत्वावधान में उनका शॉल ओढ़ाकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजित श्रीश्रीमाल, राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष इचरज बांठिया, राष्ट्रीय युवा वाइस चेयरमैन मनोज जैन, धनराज बांठिया, सुरेश बोहरा, महामंत्री धनराज चौधरी,भागचंद अभिषेक सेठी, अरिहंत, ऋषभ, ललीत, विशाल,एवं महिला संघ से स्नेहलता श्रीश्रीमाल, समता बोहरा, मंजु बांठिया, पुष्पा सेठी प्रियंका लोढ़ा, दिपम सेठी, सुरभि श्रीश्रीमाल आदि ने स्वागत किया।

योगदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के आलथूर में सेवा और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाते हुए महावीर जैन ग्रुप द्वारा आलथूर स्थित उधवुम ननबरगल डे केयर सेंटर को 50 एलईडी ट्यूबलाइट सेट प्रदान किए गए। इस पुनीत कार्य के प्रायोजक कमलेश कुमार एवं तरुण कुमार बाफना रहे। इस अवसर पर महावीर जैन ग्रुप की अध्यक्ष निरूमला वशंत छल्लाणी ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था के इस प्रयास से डे केयर सेंटर के रोगियों और कर्मचारियों को बेहतर प्रकाश व्यवस्था प्राप्त होगी, जिससे उनकी सुविधा और कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। डे केयर सेंटर की प्रभारी पार्थसारथी ने इस सहयोग के लिए महावीर जैन ग्रुप का आभार व्यक्त किया।

साध्वी संयमपूर्णाश्री का कोचीन में चातुर्मास प्रवेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोचीन। साध्वी संयमपूर्णाश्रीजी म.सा. का कोचीन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ द्वारा संचालित जैन मंदिर में प्रवेश हुआ। सुबह शोभायात्रा निकली जो शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए मंदिर पहुंचकर एक धर्मसभा में परिवर्तित हुए। मुख्य आकर्षण रहा केरल के पारम्परिक संगीत बैंड, महिला चुंदड़ी में और पुरुष कुर्ता पयजामा और हाथ में जैन ध्वज और तीर्थांकरों के चित्र और जयकारे के साथ खुशी से चलते नजर आए है।

इस धर्म सभा में सबका स्वागत मंदिर के अध्यक्ष नितिन शाह ने किया। साध्वीश्री ने अपने प्रवचन में कहा कि चातुर्मास के चार महीने आपको आत्मा चिंतन, मंथन और आपको वर्धमान महावीर के जिन रास्ते पर चलकर कर्म निर्जरा और पुण्य कमाकर आत्मा कल्याण करने का अवसर है। कार्यक्रम में साध्वीश्री के सांसारिक परिवार के ऊटी से शांतिलाल गोलेछा, संजय, मोहन, प्रकाश, प्रवीण, सुदीप, चेन्नई से पूनम गोलेछा परिवार, कोयम्बटूर से निहालचन्द कोचर परिवार आदि गणमान्य उपस्थित थे। कोचीन,एर्नाकुलम और अन्य शहर के जैन समाज के अन्य उपस्थित थे। लाभार्थियों का संघ द्वारा सम्मान किया गया।

प्रवचन के सार को अपने अंदर उतारें : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के केएलपी जैन स्थानक में शुक्रवार को राष्ट्रसंत कमल मुनिजी कमलेश ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रवचन के साथ साथ प्रैक्टिकल करना प्रारंभ कर दे तो, उन प्रवचनों की गहरी अमिट छाप मन मस्तिष्क पर हमेशा के लिए अंकित हो जाएगी। राम ने शबरी के जूठे बेर न लेते, महावीर चंदन बाला के बाकुले नहीं लेते, कृष्ण विदुर से छिलके न लेते, तो आज इतिहास नहीं बनता। उन्होंने कहा कि आदर्शवाद की बातें उपहास का पत्र बनती है। जंगलों में रहकर प्रैक्टिकल किया हजारों वर्षों बाद भी जनता के लिए श्रद्धा और आस्था के केंद्र बने हुए हैं।

मुनि कमलेश ने बताया कि महापुरुषों का आचरण ही, हमारे लिए उपदेश बन गया आज भी उसको सुनकर जनता भाव विभोर हो जाती है। उन्होंने कहा कि हमारे अचार्य विचार व्यवहार में समानता,सादगी, और सद्भाव होने पर इंसान तो क्या पशु भी प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगा।

जैन संत ने कहा कि फूल में खुशबू होगी, भंवरे बिना निमंत्रण के वहां मंडराने लगेंगे। नकली फूल पर कितना ही इत्र लगा लो तो भी वह भंवरों को आकर्षित नहीं कर पाते हैं। बाहरी चमक दमक इंद्रधनुष की भांति उड़ जाएगी। इस मौके पर वरिष्ठ सेवक डॉक्टर सोहन राज जैन, सुरेश चंद छल्लनी बेंगलूरु, स्वरूपचंद झामड़, राजू बोहरा, सलोनी खिंवेसरा, सिद्धेचंद लोढ़ा आदि उपस्थित थे।

अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में अलंकरण समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां 4 जुलाई को अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में प्राथमिक एवं सीनियर कक्षाओं के छात्रों का विभिन्न पदों के लिए अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। एसोसिएट एनसीसी अधिकारी, सहायक प्रोफेसर इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग सेंट जोसेफ कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग के लेफ्टिनेंट श्रीकांत आर. ने मुख्य अतिथि पद को सुशोभित किया। विद्यालय के छात्र हिरेश तपसराज ने अपने स्वागत भाषण से सभी अतिथियों का स्वागत। छात्रा आयुषी तोदी ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। प्रधानाचार्या विजयलक्ष्मी ने शॉल ओढाक़र तथा समिति सदस्य शिल्पा जलान ने स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य अतिथि का सम्मान किया।

इस अवसर पर विद्यालय के गत वर्ष के छात्र नेता जिनांक शाह ने सुपर सीनियर स्तर पर हिरेन एवं प्रिशा जैन को छात्र एवं छात्रा नेता पद की शपथ दिलाई। प्राथमिक कक्षा स्तर में हुनर अग्रवाल ने मान्या जैन तथा रेहांश को छात्र एवं छात्रा नेता पद की शपथ दिलाई। इसके अतिरिक्त खेल सचिव स्नेह रावल तथा खुशी सेठिया, साहित्य सचिव सायंतिका मांझी तथा तनिष्का जैन, सांस्कृतिक सचिव प्रगति शर्मा तथा नेत्रा जैन और हेड मार्शल पद के लिए उन्नति जैन, पक्षल सोलंकी एवं भव्या सोलंकी को शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि, समिति सदस्यों तथा प्रधानाचार्या ने छात्रों को बैचेस लगाते हुए उनके महत्व के बारे में बताया और उनके दायित्वों से अवगत कराया ताकि आगे चलकर वे समाज और देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभा सके। सभी चार सदनों के वरिष्ठ व कनिष्ठ वर्ग के छात्र- छात्रा नेताओं को भी पद निर्वहन की शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि ने अपने प्रेरक भाषण से सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। छात्रों ने भी पूरी ईमानदारी, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की शपथ ली। छात्रा रीति भंडारी ने मंच का संचालन एवं छात्रा सिद्धि जैन के धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने जारी किया कोयम्बटूर मास्टर प्लान-2041

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शुक्रवार को यहां सचिवालय चेन्नई में आवास और शहरी विकास विभाग के तहत शहरी नियोजन मिशन द्वारा तैयार कोयम्बटूर मास्टर प्लान 2041 को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने जारी किया। इसके अलावा, सचिवालय में राजमार्ग और लघु बंदरगाह विभाग की ओर से कुड्डालोर बंदरगाह के संचालन के लिए महाथी कुड्डालोर पोर्ट एंड मैरीटाइम प्राइवेट लिमिटेड और तमिलनाडु मैरीटाइम बोर्ड के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कृषि-किसान कल्याण विभाग की ओर से पोषण कृषि आंदोलन नामक एक नई परियोजना का शुभारंभ किया, 5 लाभार्थियों को सब्जी बीज किट, फलों के पौधे और दालें वितरित कीं।

विभाग की ओर से 103.38 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 52 भवनों का लोकार्पण किया। - पशुपालन विभाग की ओर से 25.15 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित विभिन्न भवनों का लोकार्पण किया। - तिरुचेंदूर में सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में 10.57 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित 52 कमरों वाले भक्त छात्रावास का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए किया उद्घाटन।

दलाई लामा के उत्तराधिकारी को लेकर रिजीजू की टिप्पणी पर चीन ने जताई आपत्ति

बीजिंग/भाषा। चीन ने शुक्रवार को अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजीजू की इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई कि दलाई लामा को अपनी इच्छानुसार उत्तराधिकारी का चुनाव करना चाहिए। चीन ने भारत से तिब्बत से संबंधित मुद्दों पर सावधानी से काम करने का आह्वान किया, ताकि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार पर इसका प्रभाव न पड़े। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने रिजीजू की टिप्पणियों को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए यहां प्रेस वार्ता में कहा कि भारत को 14वें दलाई लामा की चीन विरोधी अलगाववादी प्रकृति के प्रति स्पष्ट होना चाहिए और 'शिजांग' (तिब्बत) से संबंधित मुद्दों पर अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करना चाहिए। चीन तिब्बत का उल्लेख 'शिजांग' के नाम से करता है। माओ ने कहा कि भारत को अपने शब्दों और कार्यों में सावधानी बरतनी चाहिए, शिजांग से संबंधित मुद्दों पर चीन के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना बंद करना चाहिए।

श्रीराम प्रॉपर्टीज का बेंगलूरु में नई आवास परियोजना से 350 करोड़ रुपए का राजस्व जुटाने का लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/चेन्नई। रियल एस्टेट कंपनी श्रीराम प्रॉपर्टीज लिमिटेड का बेंगलूरु में अपनी नई आवासीय परियोजना से 350 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त करने का लक्ष्य है। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसने बेंगलुरु में एक आवासीय परियोजना 'कोडनेम : द वन' शुरू की है। इसमें 340 अपार्टमेंट शामिल हैं।

परियोजना में कुल बिक्री योग्य क्षेत्र लगभग पांच लाख वर्ग फुट है और इसकी राजस्व क्षमता 350 करोड़ से अधिक है। इस परियोजना के अगले तीन वर्षों में विकसित होने की उम्मीद है। श्रीराम प्रॉपर्टीज लिमिटेड देश के अग्रणी आवासीय रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। इसने बेंगलूरु, चेन्नई और कोलकाता में 2.76 करोड़ वर्ग फुट के बिक्री योग्य क्षेत्र के साथ 48 परियोजनाएं वितरित की हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.